R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 106
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
बुधवार, 24 दिसम्बर, 2025

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 टीजीटी, पीजीटी, टीईटी के लिए लाखों प्रतियोगियों ... 5 सांसद खेल स्पर्धा प्रतियोगिता का सांसद ने किया ... 7 शिल्पा शेट्टी ने रणवीर सिंह की 'धुरंधर' की ...

नाबालिक के साथ सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में वाँछित दो अभियुक्तगण गिरफ्तार

सिद्धार्थनगर। जिले के पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन व रोहिनी यादव क्षेत्राधिकारी बाँसी के कुशल पर्यवेक्षण अनूप कुमार मिश्र थानाध्यक्ष थाना खेसरहा के नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 219/2025 धारा 70(2), 137(2), 126(2), 335(3)ँ ए 5/6, 16/17 पाक्सो एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्तगण लाला उर्फ श्रीराम पुत्र बीरबल प्रजापति व अमित प्रजापति पुत्र चन्द्रभान निवासीगण भलुहा को बुद्धा नदी पुल के पास से उप निरीक्षक जगतनारायण यादव ,का0 देवानन्द गौतम ,का0 विशाल सिंह की टीम ने किया गिरफ्तार।

नाबालिग से दुष्कर्म के वाँछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

सिद्धार्थनगर। जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन पुलिस अधीक्षक के आदेश के क्रम में प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन व रोहिनी यादव क्षेत्राधिकारी बाँसी के कुशल पर्यवेक्षण अनूप कुमार मिश्र थानाध्यक्ष थाना खेसरहा के नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत को थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 218/2025 धारा 87,137(2),65(1)ँ ए व 5/6 पोक्सो एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त को मरवटिया बाजार से आगे नहर पुलिया से उप निरीक्षक जयप्रकाश सिंह, हेड कांस्टेबल धर्मेन्द्र कुमार की टीम ने किया गिरफ्तार।

पूर्व प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर उन्नतशील किसान हुए सम्मानित

सिद्धार्थनगर। जिले के अंबेडकर सभागार में पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 चौधरी चरण सिंह के जन्म दिवस के अवसर पर किसान सम्मान दिवस का आयोजन अम्बेडकर सभागार में मुख्य अतिथि सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह द्वारा स्व0 चौधरी चरण सिंह जी के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं द्वीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा मा0 सांसद को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। उपकृषि निदेशक द्वारा जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, सांसद प्रतिनिधि को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया।मुख्य अतिथि सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत सरकार स्व0 चौधरी चरण सिंह की जयन्ती/किसान सम्मान दिवस के अवसर पर जनपद के अन्नदाता किसानों को बधाई दिया। पूर्व प्रधानमंत्री भारत सरकार स्व0 चौधरी चरण सिंह जी किसानों की समस्याओं के निराकरण के लिए लड़ाई लड़ी थी उन्होने किसानों के लिए कोई समझौता नहीं किया, पूरा जीवन किसानों के लिए कार्य किया, जिसके कारण उनकों किसानों का मसीहा के नाम से जानते हैं। मा0 मुख्यमंत्री उ0प्र0 ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत सरकार स्व0 चौधरी चरण सिंह जी जयन्ती को सभी जनपदों में किसान सम्मान दिवस के रूप में मनाये जाने का निर्णय लिया हैं। हमारा देश कृषि प्रधान देश है। पहले जनपद के किसानों के पास सिंचाई व भण्डारण करने की व्यवस्था नहीं थी जिससे उनके फसल का उचित मूल्य नहीं मिल पाता था। किसानों द्वारा दलहनी, तिलहनी फसलों में रिकार्ड उत्पादन करने पर बधाई दिया गया। आकांक्षी जिले में विकास खण्ड खेसरहा की अल्का सिंह द्वारा कालानमक की खेती करके 20से 25 टन प्रतिवर्ष उत्पादन कर अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों में भेजा जा रहा है। जनपद का पहचान कालानमक की खुश्बू से देश विदेश में है। जिला प्रशासन किसानों को सहयोग प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है। मुख्यमंत्री उ0प्र0 की अर्थव्यवस्था को 01 ट्रिलियन डालर बनाने का संकल्प लिया है अकेले जनपद सिद्धार्थनगर 01 ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनाने का कार्य करेगा। जनपद के सभी विकास खण्डों में कालानमक की खेती हो। कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से कृषि उपकरण, बीज आदि पर सब्सिडी देकर किसानों की आय दोगुना करने का कार्य कर रही है । जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्पा जीएन ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत सरकार स्व0 चौधरी चरण सिंह द्वारा किसानो के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया गया। जिसके कारण उनके जन्मदिवस के अवसर पर किसान सम्मान दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। उनको भारत रत्न से नवाजा गया। भारत सरकार एवं उ0प्र0 सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित कर किसानों की आय दोगुनी करने का कार्य कर रही है। किसानों का गोल्डेन कार्ड बनाया जा रहा है जिनका नहीं बना है वह अवश्य बनवा लें। किसान सम्मान निधि के लिए फार्मर रजिस्ट्रीअवश्य करा लें जिससें किसान सम्मान निधि की धनराशि प्राप्त होगी। जनपद में मछली पालन भी अधिक मात्रा में किया जा रहा है। किसानों की जो भी समस्यायें होंगी उसको जिला प्रशासन द्वारा निराकरण कराया जायेगा।मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत सरकार स्व0 चौधरी चरण सिंह द्वारा गरीबी उन्मूलन विधेयक व उ0प्र0 जोत अधिनियम लाया गया। कृषि विभाग लगातार प्रयास कर रहा है कि किसानों को प्रमाणिक बीज व उर्वरक मिले। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से कृषि यन्त्रों पर अनुदान दिया जा रहा है जिससे वैज्ञानिक विधि से खेती करके अच्छी पैदावार प्राप्त हो। सांसद प्रतिनिधि एस0पी0 अग्रवाल, उप कृषि निदेशक द्वारा अपना विचार व्यक्त किया गया।इस अवसर पर कृषि विभाग द्वारा विभिन्न फसलों में अच्छी पैदावार करने वाले किसान, उद्यान विभाग द्वारा सब्जी में केला, फूलगोभी, टमाटर, पत्तागोभी आदि में अच्छी पैदावार करने वाले किसान, मछली पालन में अच्छी पैदावार करने वाले लाभार्थी, अधिक गन्ना पैदा करने वाले, कृषि विभाग धान, गेहॅ, सरसों, चना बाजार आदि में अच्छी पैदावार करने कुल 28 किसानो को माला पहनाकर, अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नबीन का पटना में भव्य रोड शो, स्वागत में उमड़ा जनसैलाब

पटना **(एजेंसी)**। भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष नितिन नबीन ने मंगलवार को पटना में रोड शो किया। पार्टी की जिम्मेदारी संभालने के बाद बिहार की अपनी पहली यात्रा में उन्होंने शक्ति प्रदर्शन किया। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी और बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा भी नितिन नबीन के साथ शामिल हुए। पार्टी की राज्य इकाई ने अपने नेता का बड़े उत्साह से स्वागत किया।

भाजपा सांसद नित्यानंद राय ने कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। इसका गठन इसके असंख्य नेताओं और कार्यकर्ताओं की शक्ति पर हुआ है। भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष नितिन नबीन पाटलिपुत्र की पवित्र भूमि पर पहुंचे हैं। पूरा बिहार उनके लिए यहां एकत्रित हुआ है। पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष चुने जाने के बाद यह उनकी राज्य की पहली यात्रा है। 45 वर्ष की आयु में नबीन पार्टी के अब तक के सबसे युवा कार्यकारी अध्यक्ष हैं। वे बिहार मंत्रिमंडल में सड़क निर्माण मंत्री भी हैं।

पार्टी के एक बयान के अनुसार, वीरचंद पटेल मार्ग स्थित मिलर हाई स्कूल में उनके सम्मान में एक स्वागत और अभिनंदन समारोह आयोजित किया जाएगा, जहां वे सभा को संबोधित करेंगे। शाम को, वे शाम 4:00 बजे बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मुलाकात करेंगे और शाम 7:30 बजे पार्टी कार्यालय स्थित अटल सभागार में भाजपा सांसदों, विधायकों, एमएलसी और राज्य पार्टी अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक करेंगे। वे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ भाजपा सांसदों की पहली बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे। यह बैठक मंगलवार को रात 9 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होगी।

भाजपा के एक सूत्र के अनुसार, बैठक में संसद खेल महोत्सव के सफल आयोजन की रणनीति को अंतिम रूप देने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। पार्टी के एक सूत्र ने बताया, 'बैठक का मुख्य उद्देश्य संसद खेल महोत्सव के सफल आयोजन को सुनिश्चित करने की रणनीति को अंतिम रूप देना होगा। आयोजन से संबंधित समन्वय और तैयारियों पर विस्तृत चर्चा होगी।' बैठक के दौरान, भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन को पार्टी के सांसदों से औपचारिक रूप से मिलवाया जाएगा। नबीन 45 वर्ष की आयु में पार्टी में चुने गए अब तक के सबसे युवा कार्यकारी अध्यक्ष हैं। वे बिहार मंत्रिमंडल में सड़क निर्माण मंत्री भी हैं। भाजपा ने 14 दिसंबर को नितिन नबीन को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया, जो पार्टी के नेतृत्व में एक महत्वपूर्ण पीढ़ीगत बदलाव का प्रतीक है।

किसानों और गरीबों की आवाज शिवपाल यादव ने पूर्व पीएम चौधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की

लखनऊ **(एजेंसी)**। समाजवादी पार्टी के नेता शिवपाल यादव ने लखनऊ में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्हें समाज के वंचित वर्गों की आवाज बताते हुए उन्होंने कहा कि भारत रत्न से सम्मानित दिवंगत प्रधानमंत्री ने उनके हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती पर समाजवादी पार्टी के नेता ने उनके चित्र पर माल्यार्पण किया और किसानों और श्रमिकों के लिए उनके कार्यों को याद किया। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह किसानों और गरीबों की आवाज थे। इसके अलावा, उन्होंने भारत रत्न से सम्मानित प्रधानमंत्री के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने उनके कल्याण के लिए व्यापक रूप से काम किया और उनके लिए कुछ ऐतिहासिक निर्णय लिए। यादव ने दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री के शब्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि गांवों के माध्यम से भारत का विकास सुगम होगा' और बताया कि समाजवादी पार्टी इसी दिशा में काम कर रही है। यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के सदस्य देश के विकास के लिए पूर्व प्रधानमंत्री के सिद्धांतों और दिशा-निर्देशों का पालन करेंगे। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित की। आधिकारिक पोस्ट में कहा गया कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह जी की जयंती पर हार्दिक श्रद्धांजलि। उन्होंने अपना जीवन समाज के वंचित वर्गों के कल्याण के साथ-साथ कृषि की प्रगति और किसानों की समृद्धि के लिए समर्पित किया। एक कृतज्ञ राष्ट्र राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को कभी नहीं भूल सकता।

अरावली पहाड़ियों पर विपक्ष के दावों को राजस्थान के मंत्री ने किया खारिज

कहा- कांग्रेस के पास कोई दूरदृष्टि नहीं

जयपुर **(एजेंसी)**। राजस्थान के मंत्रिमंडल मंत्री जोगाराम पटेल ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार अरावली पर्वत श्रृंखला की रक्षा और पर्यावरण को किसी भी प्रकार की क्षति न होने देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। राजनीतिक बहस को संबोधित करते हुए मंत्री ने स्पष्ट किया कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि केंद्र सरकार ने पर्वत श्रृंखला के संरक्षण के संबंध में पूरी जानकारी दे दी है। उन्होंने विपक्ष की आलोचनाओं को निराधार और जनता को गुमराह करने का प्रयास बताया। जोगाराम पटेल ने कहा कि हम अरावली पर्वत श्रृंखला को किसी भी प्रकार की क्षति नहीं होने देंगे। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने भी इस बारे में विस्तार से बताया है। कांग्रेस दुष्प्रचार कर रही है; इससे कांग्रेस को कुछ भी हासिल नहीं होगा। इस बीच, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सोमवार को चेतावनी दी कि अगर अरावली पहाड़ियों पर नया आदेश लागू होता है तो पूरे एनसीआर क्षेत्र का पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ जाएगा। अगर अरावली पर नया आदेश लागू होता है, तो इस पूरे क्षेत्र, कई राज्यों या आधे हिंदुस्तान का पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ जाएगा। अरावली पर्वत श्रृंखला दिल्ली, हरियाणा और पूरे क्षेत्र की कृषि को थार रेगिस्तान की रेत से बचाती है। अरावली पर्वतमाला इस पूरे संतुलन को बनाए रखने में बहुत महत्वपूर्ण योगदान देती है। खेड़ा ने एएनआई को बताया कि अगर कोई अरावली को छूता भी है, तो उसे इस देश का, इस पूरे क्षेत्र का दुश्मन माना जाएगा।

कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने भी इसी भावना को दोहराते हुए कहा हमारी पूरी पारिस्थितिकी व्यवस्था बिगड़ जाएगी, और अरावली पर्वतमाला पूरे एनसीआर को सुरक्षा प्रदान करती है। अगर हम अवैध खनन जारी रहने देते हैं, तो हम अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए क्या छोड़ेंगे? 26 तारीख को जयपुर में छात्र संघ और हमारे सभी साथी अरावली पर्वतमाला के संरक्षण के लिए समर्थन जुटाने हेतु एक मार्च का आयोजन कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पहाड़ियों की केंद्र सरकार द्वारा दी गई परिभाषा को स्वीकार कर लिया है, जिसमें कहा गया है कि 'इस पर्वतमाला में 100 मीटर से कम ऊंचाई वाली कोई भी पहाड़ी खनन के खिलाफ सख्त नियमों के दायरे में नहीं आती है।

पीएम मोदी से मिले नीरज चोपड़ा, पत्नी हिमानी मोर भी रहीं मौजूद, कई मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार, 23 दिसंबर को लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास (7) से तस्वीरें साझा कीं, जहां उन्होंने भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा और उनकी पत्नी हिमानी मोर की मेजबानी की। तस्वीरों में प्रधानमंत्री खिलाड़ी के साथ सौहार्दपूर्ण बातचीत करते नजर आए और उन्होंने अपनी पोस्ट में कई विषयों, विशेष रूप से खेल से संबंधित विषयों पर चर्चा का उल्लेख किया।

नीरज भारत के सबसे प्रतिष्ठित एथलीटों में से एक हैं, लेकिन प्रतिस्पर्धा के लिहाज से 2025 का साल उनके लिए मिला-जुला रहा। उनके सीज़न की एक बड़ी उपलब्धि दोहा डायमंड लीग में देखने को मिली, जहां उन्होंने 90 मीटर का बहुप्रतीक्षित आंकड़ा पार किया। 90.23 मीटर का उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो एक व्यक्तिगत उपलब्धि थी, हालांकि यह स्वर्ण पदक हासिल करने के लिए पर्याप्त नहीं था। जर्मनी के जूलियन वेबर ने 91.06 मीटर के बेहतर थ्रो के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, जिससे नीरज को दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा।

इस हार के बावजूद, नीरज ने अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पेरिस डायमंड लीग और ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक दोनों में जीत हासिल की। डायमंड लीग सीज़न के दौरान, वह दौड़ रैंकिंग में कुल मिलाकर दूसरे स्थान पर रहे। हालांकि, विश्व चैंपियनशिप 27 वर्षीय नीरज चोपड़ा के लिए एक चुनौतीपूर्ण दौर साबित हुई। चोट और अनियमित प्रदर्शन से जूझते हुए नीरज पोडियम पर जगह बनाने में नाकाम रहे और कुल मिलाकर आठवें स्थान पर रहे। 2018 के बाद किसी बड़ी प्रतियोगिता में यह उनका पहला गैर-पोडियम प्रदर्शन था, जो उनके शानदार करियर में इस तरह के दुर्लभ परिणाम को रेखांकित करता है। चैंपियनशिप के दौरान उनकी शारीरिक परेशानी स्पष्ट थी और माना जाता है कि इसका उनके प्रदर्शन पर काफी असर पड़ा।

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से दूर, नीरज को 2025 में भी जश्न मनाने के कारण मिले। उन्होंने बेंगलुरु में पहले नीरज चोपड़ा क्लासिक की मेजबानी की, जिसमें दुनिया भर के एथलीटों ने भाग लिया। घरेलू मैदान पर प्रतिस्पर्धा करते हुए, उन्होंने 86.18 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ टूर्नामेंट जीता, जबकि जूलियस येगो और रमेश पथिरागे क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

सुशासन सप्ताह-प्रशासन गांव की ओर के अन्तर्गत कार्य योजनाओं पर हुई चर्चा

सिद्धार्थनगर। जिले के कलेक्ट्रेट सभागार में पूर्व रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस पर आयोजित दिनांक 19 दिसम्बर से 25 दिसम्बर 2025 तक सुशासन सप्ताह-प्रशासन गांव की ओर के अन्तर्गत मुख्य अतिथि पूर्व जिलाधिकारी/सेवा निवृत्त आई.ए.एस. नरेन्द्र शंकर पाण्डेय, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में कार्यशाला का आयोजन हुआ।इस अवसर पर मुख्य अतिथि सेवा निवृत्त आई.ए.एस. नरेन्द्र शंकर पाण्डेय का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इस अवसर पर जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभाग की योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दिया गया। इसके अलावा विभाग में अच्छे कार्य किये गये है उसके बारे में जानकारी दिया गया। सुशासन सप्ताह के अवसर पर मुख्य अतिथि सेवा निवृत्त आई.ए.एस.नरेंद्र शंकर पाण्डेय ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा सुशासन सप्ताह का कार्यक्रम 19 दिसम्बर से 25 दिसम्बर 2025 तक मनाया जा रहा है। हमे जनता की समस्याओं को सुनकर समयान्तर्गत उसका निस्तारण कराना चाहिए। हम सभी लोक सेवकों के रूप में उनके आत्मविश्वास और दृढ़ इच्छा शक्ति की जो भावना थी उससे सीख लेनी चाहिए। हमे अपनी मातृ भाषा पर गर्व होना चाहिए। सभी लोक सेवकों के अन्दर सहजता हो, आत्म विश्वास हो तथा ईमानदारी भी हो। जनपद के जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन के उत्कृष्ट कार्यो की सराहना की। इनके अन्दर ऊर्जा, जोशवान और प्रतिभावान व्यक्ति है। शिवशरणप्पा जीएन जैसा जिलाधिकारी मिला जो जनपद को प्रत्येक दिशा में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, न्याय व अन्य सभी सुविधाओं को देने के लिए दृढ़ संकल्पित रहते है। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी की सोच है कि दुख से पीड़ित व्यक्ति को न्याय मिले यही उनकी कामना है। अन्त में उन्होंने जनपद के प्रत्येक दिशा में पीपीटी के माध्यम से तैयार किये गये जनपद की प्रगति रिपोर्ट की सराहना की। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा पीपीटी के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि जिला शिकायत निस्तारण, मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, जनपद स्तर पर शिकायत निवारण हेतु स्थापित व्यवस्था, आई.जी.आर.एस., का निस्तारण किया जाता है। प्रत्येक शुक्रवार को चौपाल का आयोजन किया जाता है जिसमें ग्रामवासियों की समस्याओं का गांव में ही निस्तारण किया जाता है। प्रतिदिन 10-12 बजे तक जनसुनवाई की जाती है जिसमें शिकायतों को सम्बन्धित अधिकारियों को व्हाट्सएप पर भेजकर त्वरित निस्तारण कराया जाता है और अधिकारियों को क्षेत्र में भ्रमण करने के लिए निर्देशित किया गया है। सभी प्रकार की पेंशन आवेदन की शिकायतों का निस्तारण, मुख्यमंत्री आवास, प्रधानमंत्री आवास, प्रधानमंत्री सम्मान निधि एवं भारत सरकार/प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही जन कल्याणकारी योजनाओ का लाभ पात्र लाभार्थियों को दिया जा रहा है। मुख्य विकास अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी के प्रयासो की सराहना करते हुए जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद को टी.वी. मुक्त करने के लिए कार्य किया जा रहा है। मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने बताया कि जनपद में सुशासन सप्ताह के अन्तर्गत ब्लाक स्तर से लेकर जनपद स्तर तक सभी विभागों द्वारा संकल्प लेकर कार्य किया गया है। सभी विभागों द्वारा शिकायतों का निस्तारण किया गया। इसके अलावा जो भी अधूरे कार्य थे उसे युद्ध स्तर पर कार्य करके पूर्ण कराया गया। गरीबों को निःशुल्क राशन वितरण का कार्य पारदर्शिता के साथ किया गया। शिक्षा की गुणवत्ता बनाये रखने के लिए विद्यालयों में समय से बच्चों की उपस्थिति और शिक्षकों द्वारा बेहतर शिक्षण कार्य किये गये है। अन्त में उन्होंने उपस्थित सभी लोगो को बधाई दी और मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व में जनपद के जिलाधिकारी रहे नरेन्द्र शंकर पाण्डेय को कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए आभार प्रकट किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि सेवा निवृत्त आई.ए.एस. नरेन्द्र शंकर पाण्डेय को स्मृति चिन्ह, व अन्य उपहार देकर सम्मानित किया गया।

जर्मनी में सरकार पर राहुल गांधी के बिगड़े बोल, बीजेपी ने कहा- भारत विरोधी ताकतों को एकजुट करने के लिए जाते हैं विदेश

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि भारत का संस्थागत ढांचा पूरी तरह से खतरे में है और इसका इस्तेमाल सत्ताधारी भाजपा के पक्ष में हथियार के तौर पर किया जा रहा है। बर्लिन के हर्टी स्कूल में गांधी के भाषण पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है, जिसमें पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस नेता पर विदेशों में भारत का अपमान करने का आरोप लगाया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने मंगलवार को जर्मनी में हुई एक बातचीत के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयानों पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता विदेशी धरती पर अराजकता, अशांति और भारत की विफलता का माहौल बना रहे हैं। राहुल गांधी की टिप्पणियों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भंडारी ने ऐसे बयानों के पीछे के इरादे पर सवाल उठाया और कांग्रेस पर भारत-विरोधी मानसिकता रखने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता के बयान का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए भंडारी ने लिखा, क्या भारत से प्यार करने वाला व्यक्ति भारत की विफलता चाह सकता है? जर्मनी में राहुल गांधी कहते हैं कि उन्हें लगता हैः लोग आपस में लड़ेंगे, भारत विफल होगा और अशांति फैलेगी। भारतीय राज्य से लड़ने से लेकर अराजकता की धमकी तक। भाजपा प्रवक्ता ने आगे आरोप लगाया कि राहुल गांधी भारत के लोकतांत्रिक संस्थानों और प्रगति के विरोधी तत्वों को एकजुट करने के लिए विदेश यात्रा करते हैं। भंडारी ने कहा कि राहुल गांधी की कांग्रेस अपने वैचारिक संरक्षक जॉर्ज सोरोस के साथ मिलकर भारतीय लोकतंत्र में अराजकता और अशांति फैलाना चाहती है। राहुल ऐसी भारत विरोधी ताकतों को एकजुट करने के लिए विदेश जाते हैं। उन्होंने कांग्रेस पर भारत की वैश्विक छवि और लोकतांत्रिक ढांचे को लगातार कमजोर करने का आरोप लगाया और कहा कि पार्टी 'भारतीय लोकतंत्र से नफरत करती है' और 'भारत की प्रगति से नफरत करती है।

जिलाधिकारी ने की कर करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की प्रगति की समीक्षा

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने उदयन सभागार में कर करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने कर करेत्तर की समीक्षा के दौरान वाणिज्यकर, आबकारी, परिवहन, स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन, विद्युत, नगर निकाय, वन विभाग, खनन एवं मण्डी विभाग के अधिकारियों को लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत राजस्व वसूली में प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को और प्रवर्तन कार्य करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने वाणिज्यकर में राजस्व वसूली में अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर उपायुक्त वाणिज्यकर को चेतावनी जारी करने तथा खनन विभाग में राजस्व वसूली में अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर जिला खनन अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के साथ ही उनका वेतन रोकने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने सीएम डैशबार्ड (राजस्व) पर प्रदर्शित योजनाओं/इंडीकेटर्स की प्रगति की समीक्षा के दौरान सभी अधिकारियों को अपने इंडीकेटर्स में शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करते हुए ए-श्रेणी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय इंडीकेटर्स में अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर अधिशासी अभियंता जल निगम (नगरीय) से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्हांने राजस्व वादों के निस्तारण की प्रगति की समीक्षा के दौरान राजस्व वादों के निस्तारण विशेषकर धारा 34, धारा 24 व धारा 67 आदि में अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए सभी उप जिलाधिकारियों एवं तहसीलदारां को प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने आर.सी. वसूली की समीक्षा के दौरान सभी तहसीलदारां को 25 बड़े बकायेदारों की सूची तैयार कर एवं नायब तहसीलदारां के साथ प्रतिदिन बैठक कर आर.सी. वूसली में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यों में लापरवाही पाये जाने पर रजिस्ट्रार कानून-गो चायल को चेतावनी जारी करने के निर्देश देते हुए कहा कि ठीक प्रकार से कार्य करने वाले कार्मिको के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाय।

जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों से कहा कि शिकायतों का निस्तारण मौके पर जाकर किया जाय। उन्होंने कृषक दुर्घटना कल्याण योजना की समीक्षा के दौरान कहा कि इस योजना के अन्तर्गत प्राप्त प्रकरणों का निस्तारण समयबद्ध सुनिश्चित किया जाय।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी शालिनी प्रभाकर एवं प्रबुद्ध सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय लोकदल सर्व समाज की पार्टी है, इमरान रिजवी

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। भारत रत्न किसान मसीहा पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी की 123 वीं जयंती जो किसान दिवस के रूप में पार्टी जिला कार्यालय राष्ट्रीय लोकदल करारी कौशाम्बी में बड़े धूमधाम से मनाई गई सर्वप्रथम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप मेंप्रदेश महासचिव इमरान हैदर रिजवी ने भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी के चित्र पर फूल डालकर उन्हें माल्यार्पण किया। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह जी ने किसानों के लिए सदैव लड़ाई लड़ी चौधरी साहब अपने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री रहते हुए किसानों के हित में बहुत सी योजनाएं लागू करके किसानों को लाभान्वित किया आज भी देश एवं प्रदेश का किसान उन्हें भूल नहीं पा रहा है उन्होंने जाति धर्म से ऊपर उठकर किसान हित में कार्य किया और किसानों को किसान होने की पहचान दी रिजवी ने कहा कि जब किसान खुशहाल होगा तो देश खुशहाल होगा चौधरी साहब छोटे किसानों का ऋण मुक्ति और भूमि सुधार को बढ़ावा देना तथा पूरा जीवन उन्होंने किसान हित में अनेक मुद्दे उठाए और संघर्ष किया, प्रदेश महासचिव इमरान हैदर रिज़वी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि चौधरी साहब के द्वारा किए गए कार्यों एवं पार्टी की नीतियों को गांव-गांव जन जन तक पहुंचाएं और पार्टी मुखिया और केंद्रीय मंत्री भारत सरकार आदरणीय जयंतचौधरी जी के हाथों को मजबूत करें। क्षेत्रीय महासचिव प्रयागराज नजमुल हसन ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल ही एक ऐसी पार्टी है जो किसानों मजदूरों के हित के लिए कार्य कर रही है किसने की पार्टी मात्र राष्ट्रीय लोकदल ही है उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की रीड़ हैं आने वाला समय राष्ट्रीय लोकदल का होगा और किसानों का होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष विनय पासी (एडवोकेट) ने कहा कि पार्टी को बूथ स्तर पर मजबूत बनाया जायेगा, पंचायत चुनाव मजबूती से राष्ट्रीय लोकदल लड़ेगी जो भी कार्य करता पदाधिकारी पंचायत चुनाव लड़ना चाहते हैं वह पार्टी कार्यालय में अपना आवेदन जमा कर दें। चौधरी चरण सिंह अमर रहे, चौधरी अजित अमर रहे चौधरी जयंत सिंह जिंदाबाद का नारा जोर शोर से लगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश महासचिव इमरान हैदर रिजवी, जिला अध्यक्ष विनय पासी, जिला महासचिव गुलाम सिबतैन रविश जीशान हैदर पप्पू मछली, जिला महासचिव पूर्व सभासद करारी जीशान हैदर पप्पू मछली, पूर्व सभासद करारी असगर मदनी कुरैशी, जिला महासचिव हरिश्चंद्र मौर्य, चायल विधानसभा प्रभारी सुमन पासवान, राजेंद्र कुमार विधानसभा सिराथू प्रभारी, लाल चांद चंद्र जिला महासचिव, जिला महासचिव सिदलाल सरोज, जिला सचिव अब्दुल कवी, मुकेश कुमार सरोज सेक्टर उपाध्यक्ष, मोहम्मद शमन जिला उपाध्यक्ष, अनिल रही 12 ब्लॉक प्रभारी, धर्मराज सेक्टर अध्यक्ष सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने एस.एन.सी.यू. वार्ड एन.आर.सी. वार्ड एवं रैन बसेरा का किया निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में एस.एन.सी.यू. वार्ड, एन.आर.सी. वार्ड एवं रैन बसेरा का निरीक्षण कर वहाँ की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने एस.एन.सी.यू. वार्ड के निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी एवं उप प्राचार्य से कहा कि राज्य स्तर पर एन.एच.एम. से पत्राचार कर और बेड बढ़ाया जाय तथा और आवश्यक उपकरणों का अविलम्ब क्रय सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने चिकित्सकों से कहा कि बेहतर चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाय। उन्होंने एन.आर.सी. वार्ड के निरीक्षण के दौरान भर्ती बच्चां की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि बच्चां को अनुमन्य सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाय तथा और बेड बढ़ाया जाय। ठण्ड के दृष्टिगत और हीटर लगाया जाय एवं साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित रखी जाय। उन्होंने परिजनों से वार्ता कर उपलब्ध सुविधाओं की भी जानकारी प्राप्त की।

जिलाधिकारी ने रैन बसेरा के निरीक्षण के दौरान केयर टेकर से कल दिनांक 22 दिसम्बर 2025 को कितने लोग रूकें आदि जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित रखी जाय। उन्हांने पंजिका का अवलोकन करते हुए भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार एवं उप प्राचार्य सौरभ मिश्रा उपस्थित रहें।

मेडिकल कैंप एवं भंडारे का हुआ आयोजन पूर्णीहुति के साथ संपन्न हुई भक्तकथा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। दिव्य अध्यात्म राष्ट्र सेवा मिशन एवं दिव्य राधा सखी मंडल के द्वारा मुंशी राम प्रसाद की बगिया नारायण वाटिका मुट्ठीगंज में आयोजित भक्तमाल कथा का पूर्णाहुति के साथ संपन्न हुआ इस अवसर डाक्टर अभिषेक के द्वारा निःशुल्क मेडिकल कैंप लगाया गया जिसमें सैकड़ों लोगों ने दांत और नेत्र जांच की और निशुल्क दवा प्राप्त किया।

इस अवसर भव्य प्रसाद भंडारे का आयोजन किया। इसके पूर्व मिशन के द्वारा हवन पूजन किया गया जिसमें राष्ट्र एवं समाज के कल्याण लिए आहुति दी गई। इस अवसर मिशन के संरक्षक कुमार नारायण, प्रभारी राजेश केसरवानी महामंत्री शिव बाबू त्रिपाठी, विजय वैश्य, अजय जायसवाल, प्यारेलाल जायसवाल, साधना चतुर्वेदी संतोष चौरसिया ऊषा केसरवानी विजय लक्ष्मी केसरवानी अभिलाष केसरवानी शत्रुघ्न जायसवाल आदि राधा सखी मंडल की सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता रहे।

एमएसडीई और वाधवानी फाउंडेशन ने प्रोजेक्ट नव्या के तहत किशोरियों के लिए समग्र विकास मॉड्यूल को बढ़ावा देने हेतु सहयोग किया

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। किशोरियों के समग्र विकास और भविष्य के लिए स्किलिंग को मज़बूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) ने आज वाधवानी फाउंडेशन के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता ज्ञापन प्रोजेक्ट नव्या के तहत किशोरियों के लिए व्यापक रोज़गार और लाइफ स्किल्स मॉड्यूल प्रदान करने के लिए है। यह कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (एमडब्ल्यूसीडी) द्वारा संयुक्त रूप से कार्यान्वित एक कार्यक्रम है। एमएसडीई और वाधवानी फाउंडेशन के बीच हुए इस सहयोग का उद्देश्य किशोरियों की सीखने की यात्रा में महत्वपूर्ण जीवन, कार्यस्थल और वित्तीय कौशल को शामिल करके पारंपरिक व्यावसायिक प्रशिक्षण से आगे बढ़ना है। इस पहल पर बोलते हुए, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय की सचिव सुदेवमुखर्जी ने कहा, 'प्रोजेक्ट नव्या पारंपरिक स्किलिंग से आगे बढ़कर युवा लड़कियों के समग्र सशक्तिकरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सीखने की यात्रा में जीवन कौशल, वित्तीय साक्षरता, कार्यस्थल की सुरक्षा और कार्यस्थल उत्पादकता को एकीकृत करके, हम किशोरियों को सफल होने के लिए जरूरी आत्मविश्वास और क्षमताओं से समृद्ध बना रहे हैं।

सांसद खेल महोत्सव में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने पहुंची कुलपति डॉक्टर कविता शाह

सिद्धार्थनगर। जनपद के जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में दूसरे दिन सांसद खेल महोत्सव के आयोजन में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु की कुलपति डॉ कविता शाह ने मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। सांसद खेल महोत्सव को हरी झंडी दिखाकर जनपद स्तरीय आए हुए खिलाड़ियों को रवाना किया। वही खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए कुलपति ने आयोजक समिति का धन्यवाद भी किया ।जिसमें मुख्य तौर से डुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल ने भगवान गौतम बुद्ध की प्रतिमा भेंट कर उनका स्वागत किया बैडमिंटन खो-खो लंबी दौड़ सहित तमाम प्रतियोगिताओं का आज आयोजन हुआ।युवाओं के अंदर इस कड़ाके की ठंड में खिलाड़ियों में उत्साह देखने को मिला सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की कुलपति डॉक्टर कविता शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि देश के युवा खिलाड़ी ग्रामीण अंचल से निकलकर प्रदेश देश व राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना नाम रोशन करेंगे जिस जिले का नाम भी रोशन होगा सांसद खेल महोत्सव के आयोजन को लेकर उन्होंने कहा कि खेल में लड़कों से अधिक लड़कियां भाग ले रहे हैं और उन्हें सफलता भी मिल रही है दूसरे दिन के आयोजन में भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के साथ भारी संख्या में भीड़ मौजूद रही।आज दूसरे दिन संपन्न हुए खेल प्रतियोगिता में मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने बच्चों को प्रमाण पत्र वितरित किए।उक्त अवसर पर सांसद प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल,रिंकू पाल, मनोज वर्मा,जाहिर सिद्दीकी,ऋषि सिंह,विजय कश्यप कीड़ा अधिकारी आशुतोष इग्नोत्री युवा कल्याण विभाग से देवेंद्र पांडे जिला व्यायाम शिक्षक उपेंद्र उपाध्यक्ष रविंद्र गुर्जर राजकुमार केसरी नंदन माहेश्वरी पाठक युवा कल्याण विभाग से क्षत्रिय युवा कल्याण अधिकारी गंगा प्रसाद प्रजापति बलवंत यादव माध्यमिक शिक्षा विभाग से रत्नेश सिंह दौलत बाबू गुप्ता रीता यादव सीमा निषाद धर्मेंद्र सिंह मुरारी सिंह सत्येंद्र गुप्ता सत्य प्रकाश सोनू गुप्ता साहित समस्त खेल प्रशिक्षक एवं खिलाड़ी खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी द्वारा की गई जनसुनवाई

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार द्वारा पुलिस कार्यालय में आम जनमानस की समस्याओं के निस्तारण हेतु जनसुनवाई आयोजित की गई। इस दौरान उपस्थित फरियादियों द्वारा प्रस्तुत शिकायती प्रार्थना पत्रों को ध्यानपूर्वक सुना गया तथा संबंधित प्रभारियों को त्वरित एवं निष्पक्ष कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा यह निर्देशित किया गया कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए ताकि आमजन को शीघ्र राहत मिल सके तथा पुलिस पर जनता का विश्वास और अधिक मजबूत एवं सुदृढ़ हो।

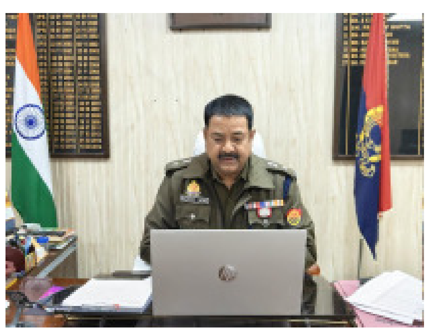

पुलिस उपायुक्त गंगानगर द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की शिकायतें सुनी गई तथा निस्तारण हेतु सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

ज़ी टीवी के सितारों ने दिल से दीं शुभकामनाएं और ताजा कीं त्यौहार से जुड़ीं यादें

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। क्रिसमस साल का वो खास वक्त होता है, जब ज़िंदगी की रफ्तार अपने आप थोड़ी थम-सी जाती है और दिल हल्का महसूस करने लगता है। घरों में रौनक होती है, अपनों के साथ बैठकर वक्त बिताने का मौका मिलता है और छोटी छोटी खुशियां बड़े सुकून में बदल जाती हैं। सहुई लाइट्स, हंसी से भरी मुलाकातें, पुराने रिवाज़ और पसंदीदा ट्रीट्स - यही वो पल होते हैं जो इस त्यौहार को यादगार बनाते हैं। साथ, अपनापन और सादगी इस मौसम की सबसे खूबसूरत पहचान है। इसी माहौल में ज़ी टीवी के कलाकारों ने क्रिसमस 2025 को लेकर अपनी शुभकामनाएं और दिल के करीब रहने वाली यादें साझा कीं। 'तुम से तुम तक' की अनु यानी निहारिका चौकसे, 'जागृति - एक नई सुबह' के सूरज यानी विजयेंद्र कुमेरिया, 'सरू' की अनिका यानी अनुष्का मर्चंडे, 'लक्ष्मी निवास' की लक्ष्मी यानी मानसी जोशी रॉय, 'जगद्धात्री' की सोनाक्षी बत्रा, 'जाने अनजाने हम मिले' के राघव यानी भरत अहलावत और 'गंगा माई की बेटियां' की स्नेहा यानी अमनदीप सिद्धू ने अपने फैंस के लिए दिल से शुभकामनाएं दीं।

'सरू' में अनिका का किरदार निभा रहीं अनुष्का मर्चंडे कहती हैं, 'क्रिसमस मेरे दिल में हमेशा से एक बहुत खास जगह रखता है। इस त्यौहार के साथ जो गर्मजोशी, अपनापन और सच्ची खुशी जुड़ी होती है, वही इसे अलग बनाती है।

अटल की वैश्विक दृष्टि पर मुक्त विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी आज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अटल बिहारी बाजपेई सुशासन पीठ के तत्वावधान में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री पंडित अटल बिहारी बाजपेई के 101वें जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर बुधवार 24 दिसंबर 2025 को अपराह्न 3:00 बजे अटल की वैश्विक दृष्टि विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में सुनिश्चित किया गया है। जिसके मुख्य अतिथि तथा मुख्य वक्ता प्रोफेसर तेज प्रताप सिंह, आचार्य, राजनीति शास्त्र विभाग काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी होंगे। अध्यक्षता प्रोफेसर सत्यकाम, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय करेंगे। 25 दिसंबर को जन्मोत्सव के अवसर पर अटल प्रेक्षागृह में अटल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। आयोजक मंडल के सदस्यों ने उक्त कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों से उपस्थित रहने की अपील की है।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या - 230-वि0/क0वि0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2025/603 दिनांकः 19.12.2025

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क0वि0/30म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा सं0 : 230-क0वि0-कार्य ठेका-992-2025	
कार्य का विवरण : प्रयागराज मंडल के करबिगवां, प्रेमपुर और रूमा रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म को ऊपर उठाने के कारण 25 केवी ओएचई में संशोधन का कार्य।	
अनुमानित लागत : रू0 61,17,343.24	बिड सुरक्षा राशि : रू0. 1,22,400.00
कार्य अवधि : 12 महीना	बोली प्रणाली : एक पैकेट
निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय : 12.01.2026, 14.00 बजे	
निविदा खुलने की तिथि तथा समय : 12.01.2026, 15:00 बजे	

नोटः- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 2456/25(AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

पुलिस उपायुक्त नगर द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की शिकायतें सुनी गयीं तथा उनके समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के दिए निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने समाचार पत्र में प्रकाशित खबर का संज्ञान लेते हुए मंगलवार को कार्यालय कक्ष में बमरौली निवासी अनाथ बच्चों-सूरज, शबनम व रिंकू से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को गम्भीरता से सुना। उन्होंने बच्चों से कहा कि प्रशासन द्वारा हर सम्भव मदद उपलब्ध कराई जाएगी। किसी भी प्रकार की समस्या आने पर बेझिझक तत्काल उन्हें अवगत कराएं।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी भावेश शुक्ला को बडे़ बेटे सूरज का बैंक एकाउण्ट खुलवाने एवं अन्त्योदय कार्ड बनवाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने जिला समाज कल्याण अधिकारी को पारिवारिक लाभ योजना तथा जिला प्रोबेशन अधिकरी को मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अन्तर्गत ऑनलाइन आवेदन कराकर शीघ्र लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अतिरिक्त मजिस्ट्रेट आकाश सिंह को कृषक दुर्घटना बीमा योजना के अन्तर्गत आवेदन कराकर शीघ्र लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

खण्ड विकास अधिकारी ने बताया कि बच्चों का पात्र गृहस्थी का कार्ड बना हुआ है, आवास का लाभ दिया गया है, जिस पर जिलाधिकारी ने कहा कि अन्य योजनाओं से भी शीघ्र आच्छादित किया जाय, ताकि बच्चां को जीवन यापन में किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े।

माघ मेला 2026

आवश्यक सूचना

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये **माघ मेला-2026** के दौरान रेलगाड़ी के विस्तार का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 11801/11802 ग्वालियर-प्रयागराज एक्सप्रेस (प्रतिदिन) का फ़तेहपुर तक विस्तार

गाड़ी सं. 11801 ग्वालियर-फतेहपुर			गाड़ी सं. 11802 फतेहपुर-ग्वालियर	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	05:00	ग्वालियर जं.	21:00	--
18:30	18:40	प्रयागराज जं.	05:50	06:05
19:15	19:17	भरवारी	04:45	04:47
19:35	19:37	सिराथू	04:20	04:22
20:08	20:10	खागा	03:45	03:47
22:00	--	फतेहपुर	--	03:15

- ग्वालियर सेः गाड़ी संख्या 11801, दिनांक 01.01.2026 से 16.02.2026
- फतेहपुर सेः गाड़ी संख्या 11802, दिनांक 02.01.2026 से 17.02.2026

नोटः- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

माघ मेला 2026 रेलवे टोल फ्री नं0 1800 4199 139 उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 2475/25(MG)

123वीं जयंती पर पूर्व प्रधानमंत्री को किया नमन

सपा कार्यालय में गोष्ठी कर किसानों के मसीहा के जीवन पर की गई चर्चा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। देश के पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न स्व. चौधरी चरण सिंह के 123 वीं जयंती किसान दिवस के रूप में मनाई गई। सपा के जिला कार्यालय जार्ज टाउन में आज उनके चित्र पर फूल माला चढ़ाकर नमन किया गया।तत्पश्चात आयोजित गोष्ठी में सपा नेताओं ने उनके राजनैतिक सफरनामे की चर्चा करते हुए कहा कि ग्रामीण भारत, किसान एवं सामाजिक न्याय के मुद्दे देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चरण सिंह की राजनीति के केंद्र में रहे।

जिलाध्यक्ष गंगापार अनिल यादव ने कहा कि चौधरी साहब ने देश के किसानों को उनकी उपज का मूल्य दिलाने के लिए आवाज उठा कर किसानों का मनोबल ही नहीं बढ़ाया बल्कि उनके उत्पाद के बिक्री की गारंटी भी दिलाई। महानगर अध्यक्ष सैयद इफ़्तेख़ार हुसैन ने स्व चरण सिंह को सामाजिक न्याय का प्रबल पक्षधर बताया। कहा कि इमरजेंसीके बाद कांग्रेस के विरोधी खेमे में जनसंघ भी शामिल रहा लेकिन वैचारिक मतभेद के चलते आगे अलगाव हो गया जिसके चलते जनता पार्टी, लोकदल की नीव पड़ी। यमुनापार अध्यक्ष पप्पूलाल निषाद ने कहा कि चौधरी साहब कोसमाज का हर शोषित, पीड़ित वर्ग अपना नेता मानता रहा।

प्रवक्ता दान बहादुर मधुर ने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने कहा था कि भारत के विकास का रास्ता गांव से होकर जाता है। उनकी नीतियां किसानों, खेती, पशुपालन, ग्रामीण एवं कुटीर उद्योग को बढ़ावा देने वाली रही हैं। जमींदारी उन्मूलन, चकबंदी जैसे कार्यक्रम भूमिहीनों, कमजोर वर्गों को राहत पहुँचाने वाली थी।

इस अवसर पर सर्व श्रीअनिल यादव, इफ़्तेख़ार हुसैन, पप्पू लाल निषाद, दान बहादुर मधुर, कृष्णमूर्ति सिंह, नरेन्द्र सिंह, श्रीमती कमला यादव, रावेन्द्र उर्फ़ रवि मिश्रा, महबूब उस्मानी, राम सुमेर पाल, मृत्युंजय पाण्डेय, विजय यादव, नाटे चौधरी, शांति प्रकाश पटेल, राम अवध पाल, दिनेश यादव, मो सऊद, के के यादव, विनय कुशवाहा, सचिन श्रीवास्तव, अशांजाळ, रूप नाथ यादव, विजय मुन्ना, मो जैद एडवोकेट, माधवनद चौरसिया आदि ने भी अपने विचार रखे।

टीजीटी, पीजीटी, टीईटी के लिए लाखों प्रतियोगियों को करना होगा इंतजार

आयोग पारदर्शिता के लिए इंटरनल विजिलेंस सिस्टम करेगा स्थापित

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। यूपी शिक्षा सेवा चयन आयोग प्रयागराज के नवनियुक्त अध्यक्ष पूर्व डीजीपी डॉ प्रशांत कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोग की पहली महत्वपूर्ण बैठक हुई। नव नियुक्त अध्यक्ष डॉ प्रशांत कुमार की अध्यक्षता में हुई पहली बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। इस दौरान चयन आयोग के क्रियाकलापों में पारदर्शिता लाने और परीक्षा संबंधी अन्य कार्यों में शुचिता सुनिश्चित करने के लिए आंतरिक विजिलेंस प्रणाली यानी इंटरनल विजिलेंस सिस्टम स्थापित करने का महत्वपूर्ण फैसला लिया गया है। इस फैसले के तहत आयोग में जल्द ही विजिलेंस अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी।

यूपी शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा परीक्षा नियंत्रक से यह अपेक्षा की गई है कि बीते दिनों स्थगित टीजीटी और पीजीटी की परीक्षाओं के साथ ही शिक्षक पात्रता परीक्षा यानी टीईटी के संबंध में परीक्षा तिथि निर्धारित करने के लिए अन्य आयोगों और भर्ती संस्थाओं के परीक्षा कैलेंडर का अध्ययन कर समय सारणी तैयार करें। अर्थात टीजीटी, पीजीटी और टीईटी के लाखों प्रतियोगी छात्रों को परीक्षा और नियुक्ति के लिए इंतजार करना होगा।

आयोग के समक्ष प्रस्तुत होने वाली समय सारणी के आधार पर आयोग इन परीक्षाओं की तिथियों का भविष्य में निर्धारण करेगा। इसी के आधार पर आगामी परीक्षाओं के आयोजन के लिए परीक्षा केंद्रों के चयन और विभिन्न प्रकार की एजेंसी के चयन आदि की कार्यवाही की जाएगी। भर्ती परीक्षाओं को समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जल्द ही कैलेंडर जारी किया जाएगा, ताकि भर्ती परीक्षाओं को पूरी तरह से पारदर्शी और शुचिता के साथ संपन्न कराया जा सके। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया है कि विज्ञापन संख्या- 51 की सहायक आचार्य यानि असिस्टेंट प्रोफेसर की परीक्षा के बाद लंबित इंटरव्यू के संबंध में लंबित बिंदुओं के परीक्षण के बाद जल्द ही निर्णय लिया जाएगा।

यूपी शिक्षा सेवा चयन आयोग की इस महत्वपूर्ण बैठक में अदालत के आदेशों के अनुपालन में अन्य प्रकरणों पर भी विचार विमर्श किया गया है। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की बैठक मे लिए गए महत्वपूर्ण फैसलों की जानकारी आयोग के उपसचिव और जनसंपर्क अधिकारी संजय कुमार सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर आज दी है।

पूस की सर्द रातों में भूरा मठ से निकली हमदर्दी की गर्मी

संगम की रेतीली धरती पर डूंग महाराज संस्थान में अन्नक्षेत्र का भी श्रीगणेश

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। शहंशाही नहीं, इंसानियत अदा कर मेरे मौला, मुझे लोगों पर नहीं दिलों पर राज करना है...। इन्हीं भावों को लेकर पूस की सर्द रातों में स्वामी डूंग महाराज संस्थान (भूरा मठ) के विद्यामार्तंड अरविंद स्वामी जोशी महराज निकल पड़े हैं। वह जरूरतमंद लोगों को हमदर्दी की गर्मी बांट वहां से ढेर सारी दुवा बटोरकर अगले पड़ाव पर चल देते हैं।

विद्यामार्तंड अरविंद स्वामी जोशी बताते हैं कि वह मुंशी प्रेमचंद द्वारा वर्ष 1930 में रचित पूस की रात से काफी प्रभावित हैं। यह कहानी हल्कू नाम के किसान पर केंद्रित है। हल्कू को हांड़ कंपाने वाली ठंड में ऐसे कुत्ते के साथ सोना पड़ता था, जिसके शरीर से तेज दुर्गंध आती थी। वह मुफलिसी के ऐसे दौर से गुजर रहा होता था कि उसके पास दो जून की रोटी तक की व्यवस्था नहीं होती थी। दिल को झकझोरने वाली यह कहानी आज के समाज में काफी हद तक सच्चाई से सामना कराती है। ऐसे में अरविंद स्वामी अपनी टीम के साथ निःस्वार्थ भाव से न केवल गर्म कपड़े बांट रहे हैं बल्कि अन्नक्षेत्र का भी संचालन कर रहे हैं। मकसद केवल यह है कि कोई भी भूखा न सोने पाए। अरविंद स्वामी बताते हैं कि माघ महीने में वह संत समाज का भी सत्कार करेंगे। माघमेला स्थित भूरा मठ में 20 दिसम्बर से अन्नक्षेत्र शुरू हो गया है जो पूरे महीने चलेगा। अभी शिविर का निर्माण चल रहा है, फिर भी मेला क्षेत्र में कोई भूखा न सोये इसलिये अनवरत अन्न क्षेत्र शुरू हो गया है।

दबंगों ने फरसे से मारकर किशोर का सिर फोड़ा

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। थाना क्षेत्र के कुसुगुर गांव निवासी श्रवण कुमार (16) पुत्र पुरुषोत्तम लाल पर मंगलवार दोपहर गांव के दबंग युवकों ने किसी बात से नाराज होकर हमला कर दिया। आरोप है कि दबंगों ने किशोर को बेरहमी से पीटा और फरसे से वार कर उसके सिर में गंभीर चोट पहुंचाई।मारपीट की घटना में श्रवण कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया।घायल किशोर को पुलिस द्वारा इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शहर पश्चिमी से अधिवक्ता बीके सिंह राजू जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के प्रत्याशी घोषित

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। संगम नगरी की चर्चित विधानसभा जिस पर कभी बाहुबली अतीक अहमद और उसके बाद राजू पाल और अतीक अहमद के भाई अशरफ के बाद पूजा पाल का दबदबा था वही अब इस सीट पर बीजेपी विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह है और अब इस विधानसभा सीट पर जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी ने अपना प्रत्याशी का नाम घोषित कर दिया है सिविल लाइन स्थित रोजवुड रेस्टोरेंट में प्रेस वार्ता करते हुए जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी के महानगर अध्यक्ष सत्य प्रकाश सिंह ने प्रयागराज शहर पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र से बी के सिंह राजू प्रधान महासचिव जनसत्ता दल प्रयागराज को अपना प्रत्याशी घोषित किया है। यह निर्णय 21 दिसंबर 2025 को प्रयागराज स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित संगठनात्मक बैठक के दौरान लिया गया।

बैठक में पार्टी की नीतियों, संगठन विस्तार, आगामी चुनावी रणनीति तथा स्थानीय जनसमस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। पार्टी पदाधिकारियों ने राजू सिंह के सामाजिक कार्यों, जनसंपर्क और संगठन के प्रति उनकी सक्रिय भूमिका को देखते हुए उन्हें शहर पश्चिमी क्षेत्र से प्रत्याशी बनाए जाने पर सर्वसम्मति से सहमति जताई।

पार्टी नेतृत्व ने कहा कि राजू सिंह क्षेत्र की जनता से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाने में सक्षम हैं और उनके नेतृत्व में जनसत्ता दल लोकतांत्रिक प्रयागराज शहर पश्चिमी में संगठन को और अधिक सशक्त बनाएगा।

राजू सिंह को प्रत्याशी घोषित किए जाने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा गया। कार्यकर्ताओं ने इसे आगामी चुनाव में पार्टी की स्थिति मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। बताते चलें वही प्रेस कांफ्रेंस के दौरान भावी विधायक प्रत्याशी ने भी मौजूदा शहर पश्चिम से भाजपा विधायक पर बड़ा बयान देते हुए निशाना साधा है और कई गंभीर आरोप भी लगाए हैं।

मिशन शक्ति टीम द्वारा बालिकाओं एवं महिलाओं को किया गया जागरूक

प्रयागराज। पुलिस उपायुक्त यमुनानगर के निर्देशन में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान 'मिशन शक्ति 5.0' के तहत जोन यमुनानगर कमिश्नरेट प्रयागराज की मिशन शक्ति टीम द्वारा बालिकाओं/छात्राओं एवं महिलाओं को थाना क्षेत्र के स्कूलों/कॉलेजों एवं सार्वजनिक स्थानों पर जाकर महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण तथा केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं जैसे- सुकन्या समृद्धि योजना, वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, उज्ज्वला योजना, सामूहिक विवाह योजना, चिकित्सा संबंधी आयुष्मान योजना व हेल्पलाइन नंबर जैसे- वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर 1090, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112, फायर ब्रिगेड हेल्पलाइन नंबर 101 आदि के बारे में जानकारी दी गई, इसके साथ ही साइबर फ्रॉड के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में जागरूक किया गया।

देहदान से अमर हुए मुन्नी लाल यादव, शिक्षा और श्रमजीवियों के लिए जीवन भर करते रहे संघर्ष

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, प्रयागराज के एनाटॉमी विभाग में संचालित देहदान अभियान के अंतर्गत एक अत्यंत प्रेरणादायक देहदान प्राप्त हुआ है। वर्ष 2011 से चल रहे इस अभियान के तहत यह 108वां देहदान है, जो समाज में जागरूकता, वैज्ञानिक सोच और मानवीय सेवा की भावना को सशक्त करता है।

गंगोत्री हवेलिया, झूंसी निवासी 79 वर्षीय स्वर्गीय मुन्नी लाल यादव एक सेवानिवृत्त शिक्षक थे। वे भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) डण्इ्घ(श). के सक्रिय सदस्य रहे और झूंसी स्थित लाल चौक के संस्थापक सदस्यों में शामिल थे। सामाजिक न्याय, श्रमिक अधिकारों और गरीबों के हितों के लिए उन्होंने जीवन भर संघर्ष किया और जमीनी स्तर पर निरंतर सक्रिय रहे।

स्वर्गीय मुन्नी लाल यादव आज़ाद हिंद फ़ौज की वीरांगना कैप्टन डॉ. लक्ष्मी सहगल के देहदान से गहराई से प्रेरित थे। उसी प्रेरणा के चलते उन्होंने वर्ष 2012 में ही मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, प्रयागराज के देहदान अभियान के लिए अपना पंजीकरण करा दिया था। लंबी बीमारी के बाद 23 दिसंबर 2025 की रात अस्पताल में उनका निधन हो गया।

निधन की सूचना मिलते ही देहदान अभियान के संयोजक मनोज सैंगर द्वारा एनाटॉमी विभाग के आचार्य डॉ. बादल सिंह को अवगत कराया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णा तिवारी के निर्देशन में डॉक्टरों की एक टीम शव वाहन के साथ स्वर्गीय मुन्नी लाल यादव के निवास गंगोत्री हवेलिया, झूंसी पहुंची और पार्थिव शरीर को मेडिकल कॉलेज लाया गया।

मेडिकल कॉलेज में डॉ. कृष्णा तिवारी, डॉ. बादल सिंह, डॉ. निष्ठा सिंह, डॉ. ममता आनंद सहित सभी जूनियर डॉक्टरों एवं मेडिकल छात्रों ने विधिवत सम्मान के साथ पार्थिव शरीर को स्वीकार किया। यह देहदान आने वाले वर्षों तक मेडिकल छात्रों की शिक्षा एवं प्रशिक्षण में उपयोगी सिद्ध होगा।

स्वर्गीय मुन्नी लाल यादव का देहदान समाज सेवा, वैज्ञानिक सोच और निस्वार्थ जीवन मूल्यों की एक उत्कृष्ट मिसाल है। उनके इस महान कार्य के प्रति पूरा मेडिकल कॉलेज परिवार कृतज्ञ है और उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करता है।

वरिष्ठ समाजसेवी पंडित पारस नाथ द्विवेदी का निधन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। वरिष्ठ समाजसेवी पंडित पारस नाथ द्विवेदी का निधन दिन मंगलवार दिनांक 23 जनवरी को उनके निवास राजापुर मल्हुआ, सोराम, प्रयागराज पर हो गया है। द्विवेदी ने मेवालाल अयोध्या प्रसाद इण्टर कालेज की स्थापना की और कई अन्य विद्यालयों में की स्थापना में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इनकी अंतिम संस्कार रसूलाबाद घाट पर दिनांक 24 जनवरी को प्रातः 11 बजे किया जायेगा।

उक्त अवसर पर विद्यालय परिसर में एक शोक सभा आयोजित की गयी। शोक सभा को सम्बोधित करते हुए प्रवक्ता डॉ शैलेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि पारस नाथ द्विवेदी ने न केवल इस विद्यालय की नींव रखी, बल्कि हजारों विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। वे अनुशासन, सादगी और उच्च आदर्शों के प्रतिमूर्ति थे। उनके मार्गदर्शन में विद्यालय ने शिक्षा और खेलकूद के क्षेत्र में कई कीर्तिमान स्थापित किए।

पारसनाथ के निधन पर भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, प्रधानाचार्य अरविन्द कुमार सिंह, डॉ शैलेश कुमार पाण्डेय, डॉ रवीन्द्र प्रताप, गया प्रसाद, डॉ राम प्रताप, सुचेत शर्मा, वंदना सिंह, साधना, कविता त्रिपाठी, अमर सिंह, शैलेन्द्र पटेल, धर्मेंद्र सिंह, अजय पटेल, जगदीश प्रसाद शोक व्यक्त किया है।

टैगोर पब्लिक स्कूल का एक दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा दिवस कार्यक्रम सम्पन्न

वर्षा हाउस ओवरआल चैम्पियन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। टैगोर पब्लिक स्कूल अतरसुईया, प्रयागराज के वार्षिक खेलकूद में 565 अंकों के साथ वर्षा हाउस ओवर आल चैम्पियन, 559 अंकों के साथ गीतांजली हाउस द्वितीय तथा 521अंकों के साथ लिपिका हाउस तृतीय स्थान पर रहा।बालिका वर्ग सीनियर में आराध्या केसरवानी, जूनियर वर्ग में नंदिता खन्ना तथा बालक वर्ग सीनियर में मो अब्दुल्ला तथा अक्षित यादव, जूनियर वर्ग सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किए गए।

वार्षिक क्रीड़ा दिवस के प्रथम सत्र का उद्घाटन सारस्वत खत्री पाठशाला के कोषाध्यक्ष तरूण मेहरोत्रा एवं द्वितीय सत्र का उद्घाटन उप्र लोकसेवा आयोग उत्तर प्रदेश के सदस्य डॉ हरेश प्रताप सिंह ने किया। विशिष्ट अतिथि एमएमए फाइटर खुशबू निषाद उपस्थित रहीं।शुभारंभ हेड ब्वाय अनक चतुर्वेदी, हेड गर्ल अन्वेषा शर्मा, स्पोर्ट कैप्टन मीजान अहमद और काशवी शर्मा सहित चारों हाउस के प्रमुखों ने मशाल जलाकर किया।

मुख्य अतिथि उप्र लोकसेवा आयोग उत्तर प्रदेश के सदस्य डॉ हरेश प्रताप सिंह ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में प्रत्येक छात्र ऊर्जा से भरपूर होता है। वह अपने लिए निर्धारित उद्देश्य को स्वयं को सक्रिय रखकर प्राप्त कर सकता है जिसमें खेलकूद की भूमिका प्रमुख होती है। उन्होंने शिक्षा के साथ साथ बच्चों में संस्कार बढ़ाने पर भी विशेष बल दिया। इस अवसर पर सारस्वत खत्री पाठशाला सोसायटी की अध्यक्ष मीरा खन्ना, उपाध्यक्ष पूर्व न्यायमूर्ति अरुण टण्डन, टैगोर पब्लिक स्कूल समिति के प्रबन्धक अमित खन्ना, कोषाध्यक्ष पुनीत मेहरोत्रा, प्रधानाचार्या अर्चना तिवारी, समिति के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संगीता कपूर, दिव्या कपूर, ऊषा जायसवाल एवं नवनीत जायसवाल ने किया। धन्यवाद ज्ञापन क्रीड़ा अध्यापक विजय राय ने किया। इस अवसर पर आशीष कुमार, साधना मिश्रा, सौम्या सिंह एवं पूजा शर्मा मौजूद रहे। समापन राष्ट्रीय गान से किया गया।

इनर व्हील क्लब ऑफ इलाहाबाद द्वारा 11 चलित दुकानों का वितरण आज

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। इनर व्हील डिस्ट्रिक्ट 312 की जिला कॉन्फ्रेंस 'प्राजक्ता' के अवसर पर इनर व्हील क्लब ऑफ इलाहाबाद द्वारा एक महत्वपूर्ण सामाजिक परियोजना के अंतर्गत 11 चलित दुकानों का वितरण किया जाएगा। यह कार्यक्रम यशवंत विला में आयोजित होगा। चलित दुकानों का उद्घाटन एवं वितरण एसोसिएशन प्रेसिडेंट इनर व्हील 312, ज्योति महिपाल के कर-कमलों द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट 312 की जिला अध्यक्ष प्रिया नारायण की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। साथ ही इनर व्हील क्लब ऑफ इलाहाबाद की प्रेसिडेंट नूपुर कपूर, सेक्रेटरी शालिनी अग्रवाल, एडिटर आरती अग्रवाल, आईएसओ नेहा कक्कड़, जोनल हेड तान्या ढल कोऑर्डिनेटर गीता चतुर्वेदी एवं क्लब की अनेक सदस्याएं कार्यक्रम में सम्मिलित रहेंगी। इनर व्हील क्लब ऑफ इलाहाबाद की यह परियोजना स्वरोज़गार एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय एवं प्रभावशाली पहल है, जिससे लाभार्थियों को सम्मानजनक आजीविका का अवसर प्राप्त होगा।

आर्य कन्या इंटर कालेज इंग्लिश मीडियम के वार्षिकोत्सव का समापन आज

वार्षिकोत्सव में दिखी बच्चों की प्रतिभा, बजती रही तालियां

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। आर्य कन्या इंटर कॉलेज इंग्लिश मीडियम का दो दिवसीय वार्षिकोत्सव के पहले दिन आज वार्षिक क्रीड़ा दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधालय के प्रबंधक पंकज जायसवाल ने गुब्बारा उड़ाकर किया। इस दौरान छात्राओं ने मार्च पास्ट, दौड़ कबड्डी, खो खो तथा रिले दौड़ जैसी प्रतियोगिताओं में भाग लिया और सभी विद्यार्थियों ने अनुशासन और खेल भावना का परिचय दिया। इस अवसर पर प्रोफेसर मनमोहन कृष्ण तथा जेडी फाईनेंस महेंद्र कुमार मुख्य अतिथि थे। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कॉलेज के प्रबंधक पंकज जायसवाल ने छात्र - छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिए कामना की। विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ मधु सिंह ने अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक, शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। संचालन पारुल गुप्ता एवं सोनम जायसवाल ने किया। यह आयोजन छात्रों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास के लिए अत्यंत प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

सम्पादकीय

महंगा होता जा रहा ट्रेन का सफर, सुविधाओं के लिए फिर भी परेशान रहते यात्री

भारतीय रेल को देश भर में कहीं आने-जाने के सबसे सुगम और अहम साधन के रूप में जाना जाता है। हर रोज लाखों लोग अपने गंतव्य तक जाने के लिए इसका सहारा लेते हैं। आए दिन सरकार गुणवत्ता के लिहाज से इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों वाला बनाने के लिए कदम उठाने का दावा करती रहती है। मगर विचित्र यह है कि आज यात्रियों के लिए ट्रेन से सफर करना जहां एक दुस्वप्न बनता जा रहा है, वहीं सरकार जब चाहे, किराया बढ़ाने में कोई संकोच नहीं करती।

हाल ही में ट्रेन में यात्री के सामान ले जाने पर वजन की सीमा लगा देने और तय वजन से ज्यादा ले जाने पर अतिरिक्त शुल्क चुकाने के नियम लागू होने की खबर आई थी। अब भारतीय रेलवे ने छब्बीस दिसंबर से यात्री किराए में भी बढ़ोतरी की घोषणा कर दी है। इसके तहत अब दो सौ पंद्रह किलोमीटर से ज्यादा के सफर के लिए किराया एक से दो पैसे प्रति किलोमीटर बढ़ा दिया गया है। देखने में यह छोटी बढ़ोतरी लगती है, लेकिन इस इजाफे से सिर्फ अगले करीब तीन महीने में ही सरकार को लगभग छह सौ करोड़ रुपए अतिरिक्त राजस्व मिलने की उम्मीद है।

अंदाजा लगाया जा सकता है कि अपनी आय बढ़ाने के लिए सरकार कितनी सजग है। मगर शायद इस बात का ध्यान रखना कभी जरूरी नहीं समझा जाता कि इस तरह किराया बढ़ाने का औचित्य तभी साबित हो सकता है जब यात्रियों के लिए यह असुविधाजनक न हो। यह कोई छिपी हकीकत नहीं है कि पिछले कुछ समय से ट्रेन में सफर करना कई बार कितना त्रासद साबित हो रहा है। एक से दूसरे शहर या अपने घर जाने वाले लोग अगर ट्रेन से जाना चाहते हैं, तो इसके लिए आरक्षित टिकट मिलना आसान नहीं रह गया है।

अगर किसी व्यक्ति को हफ्ते या एक महीने पहले आरक्षित टिकट मिल जाए, तो उसे एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखा जाता है। बहुत ज्यादा सुविधाओं वाली कुछ महंगी ट्रेनों के बरक्स साधारण डिब्बों में सफर की मुश्किल की कल्पना करना भी मुश्किल है, जहां लोग निर्जीव सामान की तरह किसी तरह मरते-जीते जाते हैं। इसके अलावा, ट्रेन में सामान की चोरी से लेकर लूटपाट जैसी घटनाओं पर लगाम लगा पाना आज भी एक चुनौती है।

फिर पिछले कुछ समय के दौरान ट्रेनों के पटरी से उतरने से लेकर अन्य स्वरूप में जिस तरह के हादसे हुए हैं, वे बताते हैं कि भारतीय रेल से कहीं जाना कितना सुरक्षित है। ऐसा लगता है कि अलग-अलग मद में पैसा बढ़ाने के लिए बजट या किसी औपचारिक मौके का इंतजार करने की परंपरा खत्म हो गई है और सरकार अपनी सुविधा के अनुसार जब जी चाहे, नया किराया तय कर देती है।

दूसरी ओर, ट्रेनों की भारी कमी और यात्रियों को ले जाने की सीमा की वजह से रेलवे स्टेशनों पर लोगों की भीड़ बताती है कि ट्रेन से सफर को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने के सरकारी दावे की असलियत क्या है। विडंबना यह है कि अपनी सामान्य या नियमित आय में अतिरिक्त बढ़ोतरी के लिए ट्रेन का किराया बढ़ाने या अन्य प्रत्यक्ष और परोक्ष तरीकों के जरिए यात्रियों से ज्यादा पैसा वसूलने को लेकर अति-सक्रिय रहने वाली सरकार की नजर में यात्री सुविधाएं कोई प्राथमिक सवाल नहीं हैं।

उसके लिए यह भी ध्यान रखना जरूरी नहीं है कि ज्यादा किराया चुकाने का बोझ उठाने वाले बहुत सारे आम लोगों की आमदनी में कितनी बढ़ोतरी हुई है। क्या यह एक अफसोसनाक तस्वीर नहीं है।

सेकुलरवाद का बहाना, वोटरों पर निशाना

बिहार में जाति-धर्म की सियासी पिच पर बुरी तरह मात खाने के बावजूद इंडिया गठबंधन का भरोसा इसी पर है। तमिलनाडु में जिस तरह कार्तिगई दीपम परंपरा स्थापित करने का आदेश देने वाले मद्रास हाईकोर्ट के न्यायाधीश जी आर स्वामीनाथन के खिलाफ गठबंधन ने लामबंदी की है, उससे यही संकेत मिल रहे हैं। डीएमके सांसद कनिमोई की अगुआई में विपक्षी गठबंधन के 120 सांसदों द्वारा स्वामीनाथन के खिलाफ महाभियोग का नोटिस देना गठबंधन की पारंपरिक राजनीति का ही विस्तार है। विपक्षी गठबंधन यह पचा नहीं पा रहा है कि कथित सेकुलर देश में किसी जज ने बहुसंख्यक सनातनी परंपरा स्थापित करने का निर्णय दे दिया है। स्वामीनाथन के फैसले के अनुसार, जहां कार्तिदीपम मनाया जाना है, वहां एक दरगाह भी है। दरगाह और मंदिर साथ हो तो मंदिर की कीमत पर दरगाह की परंपराएं अपने यहां चलती रही हैं। अब तक की शासन व्यवस्था के लिहाज से ऐसे मामलों में मंदिर के पक्ष में फैसला सवालों के घेरे में आता है।

स्वामीनाथन ने मदुरै जिले की थिरूपरनकुंद्रम की पहाड़ी की चोटी पर कार्तिगई दीपम की परंपरा को स्थापित करने की मंजूरी दी है, जिसे 1920 के एक विवाद के बंद कर दिया गया था। यह बात और है कि डीएमके की अगुआई वाली तमिलनाडु सरकार ने विवाद की आशंका के बहाने अदालत के फैसले को लागू ही नहीं होने दिया। दिलचस्प है कि अल्पसंख्यक समुदाय ने इसका विरोध भी नहीं किया, बल्कि सरकार ही खुद आगे बढ़कर विवाद की आशंका से भर उठी। राज्य सरकार ने स्वामीनाथन के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील कर दी है। लेकिन इस फैसले के लिए स्वामीनाथन को पचा नहीं पा रही है। उसे लगता है कि अगर उसने जज को सबक नहीं सिखाया तो उसकी सेकुलरवाद के बुनियाद पर टिकी राजनीति में दरार पड़ सकती है। जज को सबक सिखाने और न्यायपालिका पर

अंकुश लगाने के डीएमके के इस कदम में सबसे हैरतनाक कदम है, अखिलेश यादव का बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना। लोकसभा अध्यक्ष को महाभियोग प्रस्ताव पेश करते वक्त कनिमोई के साथ कांग्रेसी नेताओं और अखिलेश की मौजूदगी के संकेत गहरे हैं। दरअसल महागठबंधन के दल अल्पसंख्यक समुदाय को यह संकेत देने की कोशिश में हैं कि सिर्फ और सिर्फ इंडिया गठबंधन ही उसके हितों के लिए किसी जज को भी सूली पर चढ़ा सकता है। महागठबंधन की कोशिश कुछ महीने बाद होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए राज्य की करीब छह फीसद अल्पसंख्यक आबादी को लुभाना भी है। वैसे देखा जाए तो राज्य की सात करोड़ 21 लाख की आबादी में अल्पसंख्यकों की जनसंख्या महज 42 लाख तीस हजार ही है। ब्राह्मणवाद की बुनियाद पर उभरी डीएमके की राजनीति में अल्पसंख्यकवाद पिछड़ी जातियों को लुभाने का भी मंत्र रहा है। राज्य की अधिसंख्य पिछड़ी आबादी को भी लुभाने की इस बहाने की कोशिश हो रही है। इसीलिए कार्तिगई दीपम की परंपरा को रोकने में डीएमके को कोई हिचक नहीं हुई।

इस पूरे मसले पर चर्चा से पहले जानना जरूरी है कि कार्तिगई दीपम त्योहार है क्या? दक्षिम के दीप पर्व के रूप में विख्यात कार्तिगई दीपम भगवान मुरूगन के सम्मान में तमिल महीने में दीप जलाने की परंपरा है। शिव और पार्वती के बड़े पुत्र कार्तिकेय तमिलनाडु में मुरूगन और सुब्रह्मण्यम के नाम से भी जाने जाते हैं। मदुरै जिले की जिस थिरुपरनकुंद्रम की पहाड़ी पर कार्तिगई दीपम मनाने का आदेश अदालत ने दिया, वह भगवान मुरूगन की छह पवित्र जगहों में से एक है। मान्यता है कि ब्रह्मा और विष्णु के बीच विवाद को सुलझाने के लिए शिवजी स्वयं अनंत अग्निस्तंभ के रूप में प्रकट हुए थे। उसी दीप स्तंभ की स्मृति स्वरूप उचिपिल्लायर मंदिर के पास प्राचीन दीपाथुन नामक स्तंभ के नजदीक महादीपक जलाया जाता है। थिरूपरनकुंद्रम की पहाड़ी पर भी इसकी परंपरा रही। लेकिन बाद में वहां मंदिर के नजदीक ही एक दरगाह स्थापित हो गई। दरगाह के बाद सेकुलरवाद को बढ़ावा देना जरूरी था, लिहाजा दीपम की परंपरा अधिकारियों ने रोक दी। जिसे शुरू करने को लेकर अदालती हस्तक्षेप की मांग की गई। पहले मदुरै की जिला अदालत में मामला चला और बाद में मद्रास हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। जिसकी सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति जीआर स्वामीनाथन ने पहाड़ी पर दीप जलाने की परंपरा शुरू करने का आदेश दिया। इसके बाद पहाड़ी पर तीन दिसंबर को दीप जलाने श्रद्धालुओं का जमावड़ा होने लगा। लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। राज्य की स्टालिन सरकार का कहना था कि इससे खून-खराबा हो सकता है। जबकि अल्पसंख्यकों की ओर से ऐसी कोई कोशिश या बयानबाजी भी नहीं हुई थी। बहरहाल, डीएमके सरकार के इस फैसले ने राज्य में पैर जमाने की कोशिश में बैठी बीजेपी को मुद्दा दे दिया। पार्टी का कहना है कि डीएमके सेक्युलरिज्म की बात करती तो है, लेकिन उसके निशाने पर सिर्फ़ हिंदू समुदाय ही रहता है। बीजेपी का आरोप है कि डीएमके ने कभी किसी गैर हिंदू परंपरा, दरगाह या आदि पर कभी कोई सवाल नहीं खड़ा किया। बीजेपी पूछ रही है कि आखिर राज्य के हिंदुओं ने कौन सी गलती की है कि उन्हें दीप जलाने के अधिकार के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है।

डीएमके की पूर्ववर्ती जस्टिस पार्टी की स्थापना 1916 में हुई थी। उसका घोषित उद्देश्य एनी बेसेंट की अगुआई वाले होम रूल लीग आंदोलन का विरोध था। जस्टिस पार्टी का मानना था कि अगर होमरूल आंदोलन सफल हुआ तो तमिलनाडु में जारी ब्राह्मणवाद की वजह से ब्राह्मण अधिकारियों की तादाद बढ़ जाएगी। एक तरह से कह सकते हैं कि जस्टिस पार्टी की स्थापना ब्राह्मणवाद के विरोध के लिए हुई थी। कालांतर में उसकी ब्राह्मणवाद विरोध की राजनीति बढ़ते-बढ़ते ब्राह्मण विरोध पर केंद्रित हो गई। बाद में उसके विरोध के दायरे में हिंदी और पूरी सनातन परंपरा समा गई। यही वजह है कि स्टालिन कुनबे को हिंदुत्व की कटु आलोचना से कभी परहेज नहीं रहता। अहर्निश हिंदी विरोध और अब कार्तिगई दीपम का विरोध इसी परंपरा का विस्तार है।

विपक्षी गठबंधन को इन दिनों संविधान बचाने की बहुत चिंता है। 'संविधान खतरे में है' की आवाज बुलंद करने वाले विपक्षी गठबंधन के दलों की नजर में न्याय वही है, जो उनके नैरेटिव के हिसाब से हो, अन्यथा वह सेकुलरवाद का विरोध है। राममंदिर पर सर्वोच्च न्यायाल के फैसले को ये दल अब भी दिल से स्वीकार नहीं कर पाए हैं। इंदिरा गांधी के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट ने चुनावी कदाचार के आरोप में रायबरेली का निर्वाचन खारिज कर दिया था, तब न्यायपालिका की शक्तियां ही क्षीण कर दी गईं। मोहन कुमार मंगलम तो इससे भी दो कदम आगे बढ़ते हुए प्रतिबद्ध न्यायपालिका की बात करने लगे थे।

पिछले साल इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति शेखर यादव के एक बयान को लेकर भी विपक्षी गठबंधन नाराज हो गया था। शेखर ने कहा था, 'ये कहने में बिल्कुल गुरेज़ नहीं है कि ये हिन्दुस्तान है। यहां रहने वाले बहुसंख्यकों के अनुसार ही देश चलेगा। यही क़ानून है। आप यह भी नहीं कह सकते कि हाई कोर्ट के जज होकर ऐसा बोल रहे हैं। क़ानून तो बहुसंख्यक से ही चलता है।'

इसी अंदाज में स्वामीनाथन पर भी निशाना साधा जा रहा है। इसने एक बार फिर डीएमके और इंडिया गठबंधन की सियासी रणनीति का चेहरा उजागर किया है। डीएमके ने सेक्युलरिज्म आधारित जो प्रशासनिक मॉडल बनाया है, उसके निशाने पर सिर्फ हिंदू हैं। भगवान मुरुगन की सदियों पुरानी परंपरा को रोकना उसी मॉडल की परिणति है। डीएमके की नीति अल्पसंख्यक समुदायों को खुश करना और हिंदू समुदाय के खिलाफ़ आक्रामक रहा है। राज्य में वक्फ की ज़मीनों को लेकर कोई स्पष्ट नीति नहीं है। चर्च का धन भी अछूता है। लेकिन हिंदू मंदिरों के कोष पर राज्य का नियंत्रण है। मंदिरों की जमीनें भी सरकारी नियंत्रण में है। लेकिन अब राज्य का जनमत बदल रहा है। बीजेपी की कोशिश तमिल हिंदुत्व को उभारकर अपनी बुनियाद को मजबूत करना है। वह डीएमके के इस दोहरे चरित्र को लोगों को समझाने की कोशिश में है। ऐसे में तमिलनाडु विधानसभा चुनाव इस बार गैर पारंपरिक रंग में नजर आ सकता है।

जीवन एक खाली कैनवास, हम इसमें रंग भरने वाले चित्रकार

जीवन एक अनोखा सफर है, जो हमें नए अनुभवों, नई चुनौतियों और नई संभावनाओं से भर देता है। यह एक ऐसा रंगमंच है, जहां हर इंसान अपनी कहानी खुद लिखता है। जीवन का कोई निश्चित अर्थ नहीं है, लेकिन हमें अक्सर बताया जाता है कि जीवन का मकसद क्या है। दरअसल, जीवन का अर्थ हर व्यक्ति के लिए अलग-अलग होता है। किसी को खूब पैसे कमाने होते हैं, तो किसी को खूब नाम कमाना होता है।

जीवन एक खाली कैनवास है और हम ही वह चित्रकार हैं, जो इसे रंगों से भर सकते हैं। यह एक मौका है, जब अपने लिए एक नया अर्थ, एक नया रास्ता बनाने के लिए अपनी कहानी के कैनवास में रंग भर सकते हैं। हम अपने सपनों को सच करने की हिम्मत कर सकते हैं, अपने डर को गले लगाकर उसे ताकत में बदलने की कोशिश कर सकते हैं। जो समाज के बनाए बेबुनियाद नियमों से ऊपर उठता है, जो अपनी कमजोरियों को चुनौती देता है और अपने भीतर की अनंत संभावनाओं को खोजता है, वही अपने सपनों तक पहुंच पाता है।

हम सबके भीतर वह शक्ति है कि हम सामान्य से असाधारण बन सकें, लेकिन इसके लिए हमें अपने डर, शक और समाज की उन रूढ़ियों को तोड़ना होगा, जो हमें जकड़ती हैं। अपने आप को बार-बार नया बनाने और हर दिन एक बेहतर इंसान बनने की कोशिश करने की जरूरत है। हर दिन खुद से पूछना चाहिए कि क्या मैं आज वह इंसान हूं जो कल था। दुख और पीड़ा से कोई नहीं बच सकता, लेकिन इनसे भागने की जरूरत नहीं है।

पीड़ा हमारी दुश्मन नहीं, बल्कि गुरु है। हर दुख, असफलता, हमें कुछ सिखाती है। बल्कि जीवन में जब भी दुख आता है, तब वह एक तरह से व्यक्ति को मांजता है और जीवन के अगले अध्याय को बेहतर तरीके से जीने की राह खोजने की ओर प्रवृत्त करता है। दुख की अपेक्षा कोई नहीं करना चाहेगा, लेकिन सुख की महत्ता तभी समझ में आती है, जब दुख से गुजरना होता है।

जब जीवन नीचे गिराए, तो उठ कर और मुस्कराकर आगे बढ़ना चाहिए। जीवन एक नृत्य है, संगीत है, जिसे हमें अपने तरीके से जीना चाहिए। समाज हमें नियमों में बांधना चाहता है कि यह करो, वह मत करो, लेकिन यह वही वक्त होता है, जब हमें थोड़ा ठहर कर सोचना चाहिए और अपने दिल की सुननी चाहिए।

बस इतना जरूरी है कि हमारे दिल की बात के समांतर किसी और का दिल न दुखे या उसकी जिंदगी बाधित न हो। जीवन का आनंद उसकी आजादी में है, उसकी रचनात्मकता में है। यह आनंद अकेले नहीं, बल्कि दूसरों के साथ है। प्रेम, दोस्ती और रिश्ते, ये वे रंग हैं, जो हमारे जीवन को और खूबसूरत बनाते हैं।

प्रेम वह नहीं, जो हमें कमजोर बनाए। सच्चा प्रेम वह है, जो हमें और मजबूत बनाए, जो हमें हमारे असली स्वरूप को खोजने में मदद करे। अपने रिश्तों में ईमानदार रहा जाए और उन लोगों को चुना जाए, जो हमें ऊपर उठाएं, न कि नीचे खींचें। अपने कर्मों को इतना बड़ा करना चाहिए कि वे समय की सीमाओं को पार करें।

हमारा हर कदम, मेहनत, सपना हमें अमर बना सकता है। अपने आप को इतना मजबूत बनाना चाहिए कि हमारी कहानी दुनिया को प्रेरणा दे। अपने भीतर दया, करुणा और प्रेम मानवता के तीन महत्त्वपूर्ण पहलू को शामिल कर लेना चाहिए, जो हमारे जीवन को समृद्ध और अर्थपूर्ण बनाते हैं। ये गुण हमें दूसरों के साथ जुड़ने, उनकी जरूरतों और भावनाओं को समझने और उनकी मदद करने के लिए प्रेरित करते हैं।

जब हम दया, करुणा और प्रेम दिखाते हैं, तो हम दूसरों के

जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं और अपने जीवन को अधिक अर्थपूर्ण बना सकते है। ये गुण हमें दूसरों के साथ जुड़ने और उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में मदद करते हैं।

जीवन एक चुनौती है, एक अवसर है, और सबसे बढ़कर, एक उपहार है। किसी भी स्थिति में इसे बेकार नहीं गंवाना चाहिए। अपने भीतर जीने की आग को जलाए रख कर अपने तरीके से जीने की हिम्मत करने और अपने सपनों को सच करने की कोशिश करने की जरूरत है।

जीवन का आनंद उसकी आजादी में है, रचनात्मकता में है और दूसरों के साथ है। अगर हमारे भीतर एक सुखी और सफल जीवन जीने की भूख है, तो हमें दूसरों पर निर्भर रहने के बजाय आत्मनिर्भर रहना होगा। आत्मनिर्भरता एक सबसे महत्त्वपूर्ण गुण है, जो हमें अपने जीवन में सफलता प्राप्त करने और लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करता है।

आत्मनिर्भरता का अर्थ है अपने जीवन को स्वयं नियंत्रित करना और अपने निर्णय स्वयं लेना। यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति अपने जीवन के विभिन्न पहलुओं में स्वतंत्रता और आत्मविश्वास प्राप्त करता है। इसके कई लाभ हैं, जिनमें आत्मविश्वास, स्वतंत्रता, जिम्मेदारी और आर्थिक स्थिरता शामिल हैं।

इससे आत्मविश्वास बढ़ता है, जिससे व्यक्ति अपने जीवन के विभिन्न पहलुओं में बेहतर निर्णय ले सकता है। इसके लिए लक्ष्य निर्धारित करना आवश्यक है, जिससे व्यक्ति अपने जीवन के विभिन्न पहलुओं में बेहतर निर्णय ले सके। आत्मनिर्भरता के लिए कुछ आवश्यक कौशल हैं, जिनमें निर्णय लेने की क्षमता, समस्या समाधान, आत्म-प्रबंधन और संचार कौशल शामिल हैं। हमें अपने साथ संतुष्ट रहना सीखना होगा और अपने जीवन को स्वयं नियंत्रित करने के लिए कदम उठाने होंगे। हमें अपने लक्ष्यों को निर्धारित करने और उनके लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है।

पाकिस्तान की बदहाली से उपजे खतरे, क्रिप्टोकरंसी के बहाने इस रणनीति पर हो रहा काम

आतंकवाद, हिंसा, अस्थिरता, संवैधानिक व्यवस्थाओं का अभाव, गरीबी और पिछड़ेपन से जूझते पाकिस्तान के कई इलाकों में आज भी बहुत सारी लड़कियों की स्कूल तक पहुंच नहीं है। अर्थव्यवस्था बेहाल है और गंभीर आर्थिक संकट है। मुद्रास्फीति बढ़ रही है। लोग स्वास्थ्य सेवा सहित बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। देश की अर्थव्यवस्था अंतरराष्ट्रीय एजंसियों और मित्र देशों से उधार लिए गए पैसे पर चल रही है। पाकिस्तान की तीस फीसद से अधिक आबादी स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर में गंभीर अभाव से ग्रस्त है, जबकि लगभग आधी आबादी गरीबी रेखा के नीचे गुजर-बसर कर रही है।

महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी से बुरी तरह जूझते इस देश के बारे में यह भी कहा जाता है कि कभी भी यहां बड़े नेताओं, सेना के परिवारों और अफसरों के लिए मंदी नहीं आती। इसका सबसे प्रमुख कारण नेताओं और सेना की अकूत संपत्ति है, जिसे सुरक्षित रखने के लिए क्रिप्टोकरंसी को कवच बनाने की तैयारी हो गई है।

पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता और नीतिगत अनिश्चितता ने पूंजी के लिए असुरक्षित वातावरण बनाया है। ऐसे में जिनके पास साधन और संपर्क हैं, वे अपनी संपत्ति को देश में रखने के बजाय विदेश में सुरक्षित करना अधिक अच्छा मानते हैं। दूसरी ओर, वहां कर चोरी व्यापक समस्या रही है। जब राज्य स्वयं कर संग्रह में असफल रहता है और कानून का समान रूप से पालन नहीं होता, तब संपन्न वर्ग के लिए अपनी आय छिपाना अपेक्षाकृत आसान हो जाता है।

यह छिपी हुई आय धीरे-धीरे विदेश में निवेश के रूप में बदल जाती है। परिणामस्वरूप, देश के भीतर विकास के लिए आवश्यक पूंजी बाहर चली जाती है। दूसरी ओर सरकार कर्ज और अंतरराष्ट्रीय सहायता पर निर्भर होती जाती है।

पाकिस्तानी नागरिकों के पास दुबई में बड़ी संख्या में संपत्तियां हैं, जिनका कुल मूल्य साढ़े बारह अरब अमेरिकी डालर है। दुनियाभर के कारोबारियों और नेताओं की गुप्त सौदेबाजी का खुलासा 2016 में हुआ था और इसके केंद्र में पाकिस्तान के कई नेता, उद्योगपति और सेना के अधिकारी थे।

बाद में यह भी सामने आया कि पाकिस्तान की कुछ बड़ी हस्तियां गुपचुप तरीके से दौलत बाहर ले गई। इस मामले में इमरान खान के कुछ सहयोगियों के नाम भी शामिल थे। काले धन को वैध बनाने, प्रतिबंधों से बचने और कर चोरी में मदद की वैश्विक कड़ियां जुड़ीं, तो पाकिस्तान की राजनीति में हलचल मच गई और यह बड़ा मुद्दा भी बना।

नवाज शरीफ ने 2017 में पनामा पेपर्स में नाम आने के बाद प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। 'ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल' ने पाकिस्तान को दुनिया के सबसे भ्रष्ट देशों में से एक बताया है, जहां सभी क्षेत्रों में यह बुराई व्याप्त है।

संयुक्त राष्ट्र की एक रपट में सेना से जुड़े व्यवसायों को पाकिस्तान का सबसे बड़ा समूह बताया गया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जून 2023 में देश को दिवालिया होने से बचाने में मदद करने के लिए सेना प्रमुख मुनीर को सार्वजनिक रूप से धन्यवाद दिया था। पाकिस्तानी सेना में जमीन हड़पने की लालसा इतनी अधिक है कि उनके जनरल सामंती जमींदारों की तरह व्यवहार करते हैं और उन्हें जमीन माफिया कहा जाता है।

यह एक ऐसा देश है जो आर्थिक संकट, कर्ज निर्भरता और मुद्रा अवमूल्यन से जूझ रहा है। क्रिप्टोकरंसी इस अविश्वास के वातावरण में राज्य-निरपेक्ष संपत्ति के रूप में सामने आती है। यह न किसी बैंक में रखी जाती है और न ही किसी एक देश के कानून के अधीन होती है। इसका नियंत्रण व्यक्ति के पास उसकी निजी डिजिटल कुंजी के माध्यम से रहता है।

यही कारण है कि लोग इसे पूंजी सुरक्षा के एक साधन के रूप में देखते हैं। जब मुद्रा का तीव्र अवमूल्यन होता है या महंगाई बचत को निगलने लगती है, तब सीमित आपूर्ति वाली क्रिप्टोकरंसी लोगों को अपनी पूंजी के मूल्य को बचाए रखने का एक विकल्प प्रतीत होती है। सीमा पार पूंजी ले जाने के संदर्भ में भी क्रिप्टोकरंसी की भूमिका महत्त्वपूर्ण हो जाती है।

पारंपरिक तरीकों में विदेशी मुद्रा नियम, सरकारी अनुमति, बैंकिंग प्रक्रिया और समय की लंबी देरी शामिल होती है। इसके विपरीत क्रिप्टो नेटवर्क के माध्यम से व्यक्ति कुछ ही मिनटों में बिना किसी मध्यस्थ के दुनिया के किसी भी हिस्से में मूल्य का हस्तांतरण कर सकता है।

पाकिस्तान में क्रिप्टोकरंसी का मूल उद्देश्य आम नागरिकों को आर्थिक सशक्तीकरण देना नहीं, बल्कि राजनीतिक आभिजात्य और सैन्य प्रतिष्ठानों के धन को अंतरराष्ट्रीय निगरानी से सुरक्षित रखना प्रतीत होता है। पारंपरिक बैंकिंग प्रणाली पर अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और पश्चिमी वित्तीय एजंसियों की सख्त निगरानी है। ऐसे में क्रिप्टोकरंसी सत्ता वर्ग के लिए धन छिपाने, स्थानांतरित करने और प्रतिबंधों से बचने का एक वैकल्पिक माध्यम बन सकती है।

आम लोगों के लिए यह व्यवस्था लाभकारी नहीं है। पाकिस्तान की बड़ी आबादी आर्थिक रूप से असुरक्षित है, वित्तीय साक्षरता कम है और डिजिटल ढांचे की पहुंच सीमित है। क्रिप्टो में निवेश उनके लिए जोखिम भरा है। न तो वहां मजबूत नियमन है, न उपभोक्ता संरक्षण और न ही किसी प्रकार की गारंटी। ऐसे माहौल में आम लोग जल्दी अमीर बनने के लालच में अपनी जमा-पूंजी गंवा सकते हैं।

पाकिस्तान की लगभग पैसठ फीसद आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। बड़ी संख्या में लोगों की आजीविका कृषि, पशुपालन, खेतों में मजदूरी और उससे जुड़े छोटे व्यवसायों पर निर्भर है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था नकद लेन-देन, परंपरागत साहूकारी, आढ़ती प्रणाली और सीमित बैंकिंग तक ही सिमटी हुई है। डिजिटल बैंकिंग, इंटरनेट और स्मार्टफोन की पहुंच अब भी असमान और सीमित है। ऐसे में क्रिप्टोकरंसी जैसी जटिल, तकनीकी और अस्थिर वित्तीय व्यवस्था ग्रामीण पाकिस्तान के लिए लगभग अप्रासंगिक है।

ग्रामीण आबादी की प्राथमिक समस्याएं बिल्कुल अलग हैं। जैसे बीज, खाद और डीजल की महंगाई, सिंचाई की कमी, जलवायु संकट, फसल का उचित मूल्य न मिलना, कर्ज का जाल और सरकारी सहायता का अभाव। क्रिप्टो इन समस्याओं का समाधान नहीं करता।

जब किसी देश की अर्थव्यवस्था का आधार ग्रामीण जीवन, कृषि उत्पादन और स्थानीय बाजार हों, तब क्रिप्टोकरंसी विकास का इंजन नहीं बनतीं। पाकिस्तान के संदर्भ में यह स्पष्ट है कि क्रिप्टोकरंसी न तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगी और न ही देश को आर्थिक स्थिरता देगी।

यह अधिकतर एक शहरी-आभिजात्य और सत्ता-संरक्षण परियोजना बन कर ही रह जाएगी, जिसका बोझ आखिरकार ग्रामीण और गरीब जनता पर पड़ेगा। अनियंत्रित पूंजी, क्रिप्टो और सट्टा अर्थव्यवस्था में असली उत्पादन की जगह वित्तीय जुगाड़ को समाधान समझा जा रहा है। क्रिप्टो को विकास का विकल्प बताना दरअसल यह स्वीकार करना है कि राज्य के पास संरचनात्मक सुधार की क्षमता नहीं बची।

जाहिर है, पाकिस्तान में क्रिप्टोकरंसी को बढ़ावा देना सुधार की नीति कम और सत्ता-संरक्षण की रणनीति अधिक दिखती है। इससे न तो आम जनता का जीवन सुधरेगा और न ही देश आर्थिक स्थिरता की ओर बढ़ेगा। वास्तविक लाभ केवल उन्हीं को मिलेगा जिनके पास पहले से शक्ति, सूचना और संसाधन मौजूद हैं, जबकि जोखिम का बोझ एक बार फिर आम नागरिकों पर ही पड़ेगा।

किसान दिवस पर प्रदर्शनी, संगोष्ठी आयोजित, प्रगतिशील 50 कृषकों को सांसद, जिपं अध्यक्ष, जिलाधिकारी, सीडीओ ने किया सम्मानित

संगोष्ठी में प्रगतिशील कृषकों का सम्मान, सांसद, जिला पंचायत अध्यक्ष व जिलाधिकारी ने बढ़ाया मनोबल

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 चौधरीचरण सिंह के जन्म दिवस के अवसर पर किसान सम्मान दिवस का भव्य आयोजन चित्रांगन लॉन ज्ञानपुर में डा0विनोद बिन्द सांसद भदोही की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। उप कृषि निदेशक, डा0 अश्वनी कुमार सिंह द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि स्व0 चौधरी चरण सिंह जी द्वारा किसानों के हित में अनेक कार्य किये गये। उनके द्वारा किये गये कार्यों को याद करने के लिए किसान सम्मान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन जनपद व विकास खण्डों में उत्कृष्ट उत्पादन करने वाले कृषकों को पुरस्कृत किया जाता है। कु0 ईरम जिला कृषि अधिकारी द्वारा जनपद में कृषि निवेश की जानकारी दी गयी। डा0 विनोद कुमार उप मुख्य पशुचिकित्साधिकारी द्वारा जानवरों को ठण्ड से बचाव व रोगों का टीकाकरण के बारे में जानकारी दी गयी। अमित कुमार सिंह प्रभारी सहायक निदेशक मत्स्य द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गयी। डा0 शिशिर कुमार कृषि वैज्ञानिक सुआट्स नैनी प्रयागराज द्वारा गेहूँ के फसल की सिंचाई एवं खरपतवारनाशक के बारे में जानकारी दी गयी। चन्द्रशेखर सिंह जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा भाजपा द्वारा किसानों को धन्यवाद देते हुए कहा की किसान बड़ी ईमानदारी से मेहनत करके अन्न उपजाता है और देश का पेट भरता है। श्रीमती ममता सिंह यादव जिला उद्यान अधिकारी भदोही द्वारा बताया गया कि जायद की सब्जी के लिए कद्दू वर्गीय सब्जी का बीज उपलब्ध है। इसमें नेनुआ, लौकी, कद्दू के संकर बीज उपलब्ध है। कृषक अपना रजिस्ट्रेशन कराकर बीज प्राप्त कर सकते हैं या कार्यालय में खतौनी, पासबुक एवं आधार कार्ड लेकर आ जायेंगे, रजिस्ट्रशन के उपरान्त बीज मिल जायेगा। इनके द्वारा बताया गया कि खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा अचार, मुरब्बा, जैली आदि का 30 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कृषक सम्पर्क कर प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं और

पी0एफ0एम0बी0 योजना के अन्तर्गत कृषक मिनी फ्लोर मिल, गोदाम, रबी सीजन की प्याज भण्डारण हेतु उद्योग स्थापित कर सकते हैं। बताया कि उनके द्वारा कृषकों के हित में अनेक कार्य किया गया. जिसके लिए उन्हें आज के दिन याद किया जाता है।

सुनील कुमार मिश्रा जिला उपाध्यक्ष भाजपा भदोही द्वारा किसानों को धन्यवाद देते हुए कहा की स्व0 चौधरी चरण सिंह असली कृषकों के मसीहा थे। उनके द्वारा सुशासन के बारे में बताया कि शासन की मंशा है कि प्रत्येक अन्तिम व्यक्ति तक विभागीय योजनाओं का लाभ पहुँचाया जाये तभी असली मायने में सुशासन होता है। बाल गोविन्द शुक्ल मुख्य विकास अधिकारी द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 चौधरी चरण सिंह को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए जनपद विकास की रूपरेखा खींचते हुए बताया कि विकास में कृषकों की अहम भूमिका होती है, बिना अन्न कुछ भी नहीं हो सकता। इसलिए कृषक बन्धु जो भी वैज्ञानिकों द्वारा बताया जा रहा है, उसे अपने साथ अन्य कृषकों को भी अमल में लाने के लिए प्रेरित करें।

शैलेष कुमार जिलाधिकारी भदोही द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 चौधरी चरण सिंह को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए जनपद में शासन द्वारा चलायी जा रही योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। इनके द्वारा बताया गया कि जनपद के कृषकों को किसी भी प्रकार की समस्याएं होती हैं प्रातः 10-12 जनता दर्शन में समस्याएं बतायें, जिससे तत्काल निस्तारण किया जा सके।

अनिरूद्ध त्रिपाठी जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 चौधरी चरण सिंह को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए बताया कि इनके द्वारा किसानों के हित सराहनीय कार्य किया गया, जिसके लिए सदैव याद किये जायेंगे। डा0 विनोद बिन्द सांसद भदोही द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 चौधरी चरण सिंह को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उपस्थित कृषकों से अपेक्षा की गयी कि जो भी कृषि वैज्ञानिक / कृषि अधिकारयों द्वारा बतायी गयी बातों को अपने खेतों पर उतार कर अधिक से अधिक उत्पादन बढ़ायें एवं लाभ कमायें। किसान सम्मान दिवस में कृषकों द्वारा उठायी गयी समस्याओं को संज्ञान में लेते हुए आश्वस्त किया गया कि जरूर कार्यवाही की जायेगी।

जनपद स्तर पर कृषि, उद्यान, मत्स्य एवं पशुपालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 50 कृषकों को आयोजित किसान सम्मान दिवस कार्यक्रम में सांसद, जिला पंचायत अध्यक्ष, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया ।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। भदोही कोतवाली व औराई कोतवाली के बीच वरुणा पुल के पास बभनौटी बाजार स्थित एक ढाबे के नजदीक बुधवार सुबह करीब 9:30 बजे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल हो गया।

मल्लूपुर निवासी राजेश दुबे पुत्र स्व. राम लखन दुबे अपने साथी राजकुमार दुबे के साथ हीरो होंडा स्प्लेंडर बाइक से किसी निजी कार्य से भदोही की ओर जा रहे थे। जैसे ही वे वरुणा पुल के पास पहुंचे, पीछे से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार राजेश दुबे को सिर, हाथ सहित शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं और वे मौके पर ही अचेत हो गए, जबकि राजकुमार दुबे को मामूली चोटें आईं। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस ने गंभीर रूप से घायल राजेश दुबे को महाराजा बलवंत सिंह अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

बताया गया कि राजेश दुबे मुंबई में एक निजी कंपनी में कार्यरत थे और 17 दिसंबर को अपनी मां की बरसी में शामिल होने गांव आए थे। उनके परिवार में पत्नी, एक 27 वर्षीय पुत्र राहुल दुबे (जो इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी कर निजी नौकरी कर रहे हैं) तथा दो विवाहित पुत्रियां हैं।

दिवाल गिराए जाने को लेकर मारपीट दो घायल, मुकदमा दर्ज

गोपीगंज। थाना क्षेत्र के अमिलोर ऊपरवार निवासी रामचंद्र चौबे पुत्र स्वर्गीय वासुदेव ने थाने में तहरीर देते हुए बताया कि विपक्षी विमलेश चौबे पुत्र गुलाबधर, आदित्य पुत्र संतोष चौबे रमाशंकर मिश्रा पुत्र काशी प्रसाद व आलोक मिश्रा पुत्र रवि शंकर उपरोक्त निवासी गाली गलौज देते हुए मेरे दीवाल को गिराने लगे मेरे मना करने और कारण पूछने पर उपरोक्त लोग लाठी डंडे लेकर आए उसे मारने पीटने लगे जिससे मुझे वह मेरे लड़के को गंभीर चोटें आई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई में लग गई।

जिला वृक्षारोपण, पर्यावरण, गंगा समिति की बैठक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार व मुख्य विकास अधिकारी बाल गोबिन्द शुक्ल की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपण समिति व गंगा समिति, पर्यावरण के कार्यों की प्रगति

समीक्षा बैठक कलेक्टेट्ठट सभागार में सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने कहा कि जब पर्यावरण सुरक्षित होगा, तभी हम लोग भी सुरक्षित होंगे, जो पेड़ लगाये गये है उन पेड़ों का बचाव का प्रयास हम करेंगे संकल्प लें। रोपित किए गए पौधों के रखरखाव एवं अन्य बिंदुओं पर बल दिया गया। जिला पर्यावरण समिति के अंतर्गत जनपद में उत्पन्न हो रहे गीला कचरा के उपचार हेतु उपलब्ध वेट कंपोस्टिंग पिट की कार्यात्मक स्थिति की समीक्षा की गई। जनपद में उत्पन्न हो रहे प्लास्टिक अपशिष्टों को रिसायकल एवं प्रबन्धन (सड़क निर्माण, ऊर्जा निर्माण इत्यादि में) हेतु की जा रही कार्यवाही की गयी। समस्त नगर पालिका एवं नगर पंचायतों में ठोस अपशिष्ट ट्रांसफर स्टेशन, डम्पिंग साईट क्षमता एवं कार्यात्मक स्थिति की अद्यतन रिपोर्ट पर बल दिया गया। जनपद में उत्पन्न हो रहे कन्स्ट्रक्शन एण्ड डिमालिशन वेस्ट के उचित निस्तारण एवं प्रबन्धन हेतु की जा रही कार्यवाही की गयी। जनपद में उत्पन्न हो रहे ठोस अपशिष्ट के उपचार एवं वैज्ञानिक प्रबन्धन (वेस्ट टू कम्पोस्ट एवं वेस्ट टू एनर्जी) हेतु की जा रही कार्यवाही की समीक्षा की गयी। जनपद में ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन अधिनियम 2016 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु समस्त नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के फण्टलाईन स्टाफ के कार्यात्मक क्षमता की अभिवृद्धि हेतु किये जा रहे कार्यक्रमों पर जोर दिया गया। जनपद में प्रवाहित हो रहे नालों की टैपिंग हेतु की जा रही कार्यवाही की समीक्षा की गयी।

खादी विभाग ने राघोपुर गांव में जागरूकता शिविर लगाकर 'सुशासन सप्ताह-प्रशासन गांव की ओर' को किया साकार

खादी विभाग के मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग, माटीकला रोजगार योजना में आवेदन कर बनें स्वरोजगार- डीआईओ

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। 'सुशासन सप्ताह-प्रशासन गांव की ओर' के अंतर्गत जिला खादी एवं ग्रामोद्योग कार्यालय द्वारा विपणन विकास सहायता (एस सी एस पी) योजनान्तर्गत एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन विकास खण्ड भदोही के राघोपुर में आयोजित किया गया। अतिथियों ने गॉधी प्रतिमा पर माल्यापर्ण कर सुशासन कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

'सुशासन सप्ताह- प्रशासन गांव की ओर' विपणन विकास सहायता (एस सी एस पी) योजनान्तर्गत एक दिवसीय जागरूकता शिविर की उपादेयता व प्रासंगिकता पर बल देते हुए पवन कुमार ने बताया कि रोजगार के नये पहल के अन्तर्गत प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम एवं मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के अन्तर्गत ईकाइयों का उत्पादों के लिए विपणन सहायता के रूप में उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए प्रदर्शनी, क्रेता, विक्रेता, सम्मेलन आदि आयोजित किए जाते है। उन्होंने उ0प्र0 माटी कला बोर्ड द्वारा संचालित मुख्यमंत्री माटी कला, रोजगार योजना व माटी कला टूल्स किट वितरण योजना सहित अन्य योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि हम रोजगार सृजन करते है एवं समृद्धि बुनते है। उन्होंने खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा व्यक्तिगत उद्यम स्थापना हेतु बैंको से वित्त पोषण कराकर रोजगार/स्वरोजगार उपलब्ध कराने की योजना पर विधिवत प्रकाश डाला।

प्रशिक्षण समन्वय आर सेटी देवेन्द्र दुबे, वित्तीय परामर्श दाता एलडीएम कार्यालय विनीत कुमार सिंह व इद्रेश कुमार द्वारा भी खादी व ग्रामोद्योग विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जनमानस को जागरूक किया गया। साथ ही उपस्थित महिलाओं व युवाओं को बताया गया कि आरसेटी टेड्ठनिंग सेन्टर में विभिन्न प्रकार के टेड्ठड जैसे ब्यूटीपार्लर, सिलाई, कढ़ाई, रेफ्रीजरेटर, एसी, अगरबत्ती, आचार, मुरब्बा, पापड़, डिटर्जेंट क्लीनर, आदि का निःशुल्क व आवासीय सुविधा सहित प्रशिक्षण दिया जाता है। जहॉ से प्रशिक्षित होने के बाद खादी विभाग के माध्यम से सुविधा जनक लोन व अनुदान के साथ आप-अपना स्वरोजगार शुरू कर आत्मनिर्भर बन सकते है।

विहिप व बजरंग दल ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में किया पुतला दहन

ज्ञानपुर। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे कथित अत्याचारों के विरोध में ज्ञानपुर में जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान आतंकवाद और जिहाद का प्रतीकात्मक पुतला दहन कर आक्रोश जताया गया। कार्यकर्ता मुखर्जी पार्क, ज्ञानपुर से पैदल मार्च करते हुए दुर्गागंज तिराहे पहुंचे, जहां नारेबाजी के बीच पुतला दहन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू समाज के साथ हो रही घटनाएं मानवाधिकारों के विरुद्ध हैं और इन्हें किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने केंद्र सरकार से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हस्तक्षेप कर ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की, ताकि वहां रह रहे हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

सुशासन सप्ताह पर आयोजित जनपद स्तरीय कार्यशाला में डिजिटल नवाचारों व नागरिक सशक्तिकरण पर रहा विशेष फोकस

लोक शिकायतों के निवारण व सेवा वितरण में सुधार हेतु समर्पित है 'सुशासन सप्ताह-जिलाधिकारी

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। लोक शिकायतों के प्रभावी निवारण तथा सेवा वितरण प्रणाली को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रव्यापी अभियान 'प्रशासन गाँव की ओर' के अंतर्गत 19 से 25 दिसंबर 2025 तक मनाए जा रहे 'सुशासन सप्ताह' के क्रम में जनपद भदोही में जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में एक जनपद स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य संस्थानों के डिजिटल परिवर्तन, नागरिकों के डिजिटल सशक्तिकरण तथा नवाचार आधारित सुशासन मॉडल को प्रभावी ढंग से लागू करना रहा। इस अवसर पर सांसद डॉ. विनोद कुमार बिंद, जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी एवं मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल ने प्रतिभाग करते हुए अपने विचार व्यक्त किए।

सांसद डॉ. विनोद कुमार बिंद ने कहा कि डिजिटल तकनीक के माध्यम से शासन को पारदर्शी, जवाबदेह एवं जन-उन्मुख बनाया जा सकता है। उन्होंने अंत्योदय के सिद्धांत को साकार करने हेतु डिजिटल सशक्तिकरण को समय की आवश्यकता बताया।

जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी ने कहा कि सुशासन का वास्तविक अर्थ है अंतिम व्यक्ति तक समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना। इसके लिए प्रशासनिक नवाचार एवं जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है।

मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल ने अपने संबोधन में कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से योजनाओं की मॉनिटरिंग, शिकायत निवारण एवं सेवा वितरण को अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है, जिससे शासन-प्रशासन पर जनविश्वास बढ़ा है।

जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि 'सुशासन सप्ताह' लोक शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निवारण तथा सेवा वितरण में सुधार के लिए समर्पित अभियान है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन शिकायतों के निस्तारण में संवेदनशीलता, तत्परता एवं गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय द्वारा यह राष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। 'प्रशासन गाँव की ओर' अभियान, केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों एवं सार्वजनिक उपक्रमों में संचालित विशेष अभियान 5.0 का विकेन्द्रीकृत संस्करण है, जिसका उद्देश्य सुशासन को एक जन-आंदोलन के रूप में स्थापित करना है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा।

सांसद खेल स्पर्धा प्रतियोगिता का सांसद ने किया भव्य शुभारंभ

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर हरी झंडी दिखाकर प्रतियोगिता का किया उद्घाटन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। लोक सभा क्षेत्र-78 भदोही के अंतर्गत आयोजित मा. सांसद खेल स्पर्धा का भव्य शुभारंभ सांसद डॉ. विनोद कुमार बिंद एवं मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर मा. सांसद ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया तथा हरी झंडी दिखाकर खेल प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया। उद्घाटन समारोह में खेल भावना, अनुशासन एवं प्रतिस्पर्धात्मक उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला।

उद्घाटन अवसर पर प्राथमिक विद्यालय, घराव, भदोही की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक गीत एवं नृत्य कार्यक्रम ने सभी उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया और कार्यक्रम को गरिमामयी स्वरूप प्रदान किया।

सांसद डॉ. विनोद कुमार बिंद ने अपने संबोधन में कहा कि खेल न केवल शारीरिक एवं मानसिक विकास का माध्यम हैं, बल्कि युवाओं को अनुशासन, नेतृत्व एवं सकारात्मक ऊर्जा से जोड़ने का सशक्त साधन भी हैं। उन्होंने कहा कि खेलों के माध्यम से ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना उनकी प्राथमिकता है।

उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि उनकी जागरूकता अपील पर 17 हजार से अधिक खिलाड़ियों द्वारा सहभागिता इस बात का प्रमाण है कि जनपद में खेलों के प्रति युवाओं में अपार उत्साह एवं प्रतिभा निहित है। यह आयोजन जिले के खेल इतिहास में एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगा।

सांसद खेल स्पर्धा के अंतर्गत 08 खेल विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं, जिनमें सबजूनियर, जूनियर एवं सीनियर आयु वर्ग के महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, वालीबाल, कबड्डी, फुटबाल, बैडमिंटन, जूडो, भारोत्तोलन एवं कुश्ती जैसी खेल विधाओं में खिलाड़ियों ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल ने कहा कि इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं युवाओं के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं तथा शासन-प्रशासन सदैव खिलाड़ियों को आवश्यक सहयोग एवं प्रोत्साहन प्रदान करता रहेगा।

महिला सम्मान को लेकर सपा महिला सभा का जोरदार प्रदर्शन, राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। महिला सम्मान और अस्मिता से जुड़े मुद्दे को लेकर समाजवादी महिला सभा ने भदोही जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान महिला सभा की पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपते हुए कैबिनेट मंत्री संजय निषाद, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

समाजवादी महिला सभा की जिलाध्यक्ष सरिता बिंद ने आरोप लगाया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में एक महिला के नकाब पर कथित तौर पर हाथ लगाया, जो महिला सम्मान के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री संजय निषाद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह द्वारा इस कृत्य का समर्थन करना बेहद निंदनीय है और यह महिलाओं की अस्मिता पर सीधा हमला है।

सरिता बिंद ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि समाजवादी पार्टी महिला सम्मान से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगी। यदि महिला विरोधी बयान और कृत्य करने वाले नेताओं के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो पार्टी आंदोलन को और तेज करेगी। उन्होंने मांग की कि संबंधित नेताओं को उनके पदों से बर्खास्त किया जाए और उनके विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया जाए। महिला सभा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में घूंघट और नकाब महिला की गरिमा, सम्मान और पहचान का प्रतीक है। इस पर हाथ डालना न केवल महिला सम्मान का अपमान है, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को भी ठेस पहुंचाने वाला कृत्य है।इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष श्यामला सरोज, प्रदेश महासचिव रीता वर्मा, कचन सोनकर, अंकिता सिंह, आरती देवी, शिमला देवी, हिरावती देवी, संतोष यादव तथा जिला मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र कुमार मिश्र 'पप्पू' सहित बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता मौजूद

चकबंदी प्रक्रिया में ग्रामसभा की भूमि चिन्हित सहमति से हुआ सार्वजनिक उपयोग का चयन

भदोही। तहसील ज्ञानपुर के अंतर्गत ग्रामसभा बेरासपुर ऊपरवार में चकबंदी प्रक्रिया के तहत मंगलवार को ग्रामसभा की भूमि का चिन्हांकन किया गया। यह कार्य तहसीलदार ज्ञानपुर अजय सिंह एवं चकबंदी विभाग के सहायक चकबंदी अधिकार की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस दौरान ग्राम प्रधान एवं ग्रामीणों की मौजूदगी में ग्रामसभा की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक उपयोग की भूमि का चयन आपसी सहमति से किया गया। चकबंदी विभाग द्वारा भूमि का सीमांकन व अभिलेखीय सत्यापन भी किया गया, जिससे भविष्य में किसी प्रकार का विवाद न हो। तहसीलदार ज्ञानपुर अजय सिंह ने कहा कि 'चकबंदी प्रक्रिया का उद्देश्य किसानों व ग्रामसभा दोनों के हितों की रक्षा करना है।

मिशन शक्ति टीम की तत्परता से महिला की जान बची

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। थाना सुरियावां क्षेत्र के नेता नगर रेलवे ट्रैक पर आत्महत्या का प्रयास कर रही एक महिला को मिशन शक्ति केंद्र सुरियावां की पुलिस टीम ने समय रहते बचा लिया। महिला पारिवारिक विवाद के कारण बच्ची को गोद में लेकर आत्मघाती कदम उठाने जा रही थी।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को सुरक्षित थाना लाकर उसकी काउंसलिंग की गई। परिजनों को बुलाकर समस्या का समाधान कराया गया, जिसके बाद महिला को सकुशल उनके सुपुर्द कर दिया गया। महिला की जान बचने पर परिजनों ने भदोही पुलिस का आभार जताया। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने मिशन शक्ति टीम की तत्परता एवं संवेदनशील कार्यवाही की सराहना की।

मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के तहत चलाया जा रहा जागरूकता अभियान

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। कम्युनिटी पुलिसिंग एवं नारी सशक्तिकरण, सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के अंतर्गत अभिमन्यु मांगलिकपुलिस अधीक्षक जनपद भदोही के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में साइबर जागरूकता, पुलिस की कार्यप्रणाली व कानूनी प्रावधानों के संबंध में विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया गया। 'डरे नहीं-सहे नहीं, चुप्पी तोड़े-आवाज उठायें'किसी भी आपात स्थिति में विभिन्न हेल्पलाईन नम्बरों के उपयोग हेतु प्रेरित किया गया। महिला सम्बन्धित शिकायतों के निस्तारण हेतु पुलिस द्वारा उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं यथा- हेल्प डेस्क, महिला साइबर सेल, महिला रिपोर्टिंग पुलिस चौकी, महिला पुलिस बूथ (पिंक बूथ), महिला पुलिस बीट, मिशन शक्ति केंद्र व महिला पीआरवी वाहन सहित व महिला हेल्पलाइन नंबरों के माध्यम से महिलाओं की समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद के समस्त थाना क्षेत्र अंतर्गत महिला बीट पुलिस अधिकारियों द्वारा गांवों/कस्बों/स्कूलों/कॉलेजों/मंदिरों में भ्रमण कर प्राथमिकता के आधार पर महिला/बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही चौपाल का आयोजन कर महिलाओं एवं बालिकाओं को कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण के तहत महिला सुरक्षा व बचाव संबंधी जानकारी दी गई और शासन द्वारा जारी हेल्प लाइन नम्बर, जैसे- 1090, 112, 1076, 1098, 108 की विस्तृत जानकारी देते हुए संकट के समय इनके प्रयोग हेतु बताया गया। साथ ही साइबर अपराधों के संबंध में अवगत कराते हुए इससे बचने और सतर्क रहने हेतु 1930 हेल्प लाइन नंबर का उपयोग करने के संबंध में जानकारी दी गई। सरकार द्वारा महिलाओं से संबंधित संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी देकर व पम्पलेट वितरित कर उन्हें जागरूक किया गया।

'दौड़ में जीत की भूख और कैमरे पर धड़ाम!'

सांसद खेल महोत्सव में नेताओं की होड़ बनी तमाशा– पूर्व मंत्री हेमराज मुंह के बल गिरे, वीडियो वायरल

लखनऊ (एजेंसी)। प्रदेश के पीलीभीत जिले में रविवार को सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने किया। उद्घाटन समारोह के दौरान नेताओं की फिटनेस परखने के लिए एक दौड़ प्रतियोगिता भी रखी गई। इस दौड़ की शुरुआत जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने हरी झंडी दिखाकर कराई। दौड़ में केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद के साथ-साथ पूर्व राज्य मंत्री हेमराज वर्मा, पूर्व विधायक किशन लाल राजपूत, जिला पंचायत अध्यक्ष पति गुरभाग सिंह और अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

मिली जानकारी के मुताबिक, दौड़ के दौरान आगे निकलने की कोशिश में पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा का संतुलन बिगड़ गया। दरअसल, दौड़ते समय उनका कंधा जिला पंचायत अध्यक्ष पति गुरभाग सिंह से टकरा गया, जिससे वे मुंह के बल जमीन पर गिर पड़े। यह पूरी घटना वहां मौजूद कैमरों और ड्रोन में रिकॉर्ड हो गई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि सफेद कुर्ता-पैजामा पहने हेमराज वर्मा पूरे जोश के साथ दौड़ रहे थे। टक्कर लगते ही वह जमीन पर गिर गए, जबकि अन्य नेता दौड़ते रहे। बाद में वहां मौजूद लोगों ने उन्हें उठाकर संभाला। घटना के बाद हेमराज वर्मा और उनके भाई, पूर्व ब्लॉक प्रमुख अरुण वर्मा ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने फेसबुक पोस्ट में लिखा–'किसान के बेटे हैं, गिरेंगे फिर उठेंगे।' इस पोस्ट के जरिए उन्होंने आलोचकों और सोशल मीडिया पर मजाक उड़ाने वालों को जवाब दिया।

गौरतलब है कि हेमराज वर्मा समाजवादी पार्टी सरकार में मंत्री रह चुके हैं और पिछले लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने भारतीय जनता पार्टी जॉइन की थी। वर्तमान में उन्हें केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद का करीबी माना जाता है।कार्यक्रम के दौरान नेताओं की दौड़ को कवर करने के लिए ड्रोन और कई कैमरे लगाए गए थे। उद्घाटन के बाद जैसे ही दौड़ शुरू हुई, नेताओं में आगे निकलने की होड़ मच गई। इस दौरान मझौला नगर पंचायत चेयरमैन निशांत सिंह और अन्य जनप्रतिनिधि भी पूरे उत्साह में नजर आए। नेताओं की इस दौड़ और पूर्व मंत्री के गिरने की घटना ने खेल महोत्सव के उद्घाटन को चर्चा का विषय बना दिया है।

'घुमाने के बहाने कत्ल!' अवैध संबंधों के शक में पति बना हैवान

मफलर से घोंटा गला, चेहरे पर बरसाए पत्थर; फिर 25 किलोमीटर दूर फेंका शव

वाराणसी (एजेंसी)। जिले में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां 46 वर्षीय ऑटो चालक प्रदीप मिश्रा ने अपनी 26 साल की पत्नी लक्ष्मी की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपी ने पत्नी को घुमाने के बहाने घर से बाहर ले जाकर सुनसान जगह पर उसका गला घोंट दिया और फिर पहचान छिपाने के लिए चेहरे पर पत्थर से कई वार किए। पुलिस को एक अज्ञात महिला का शव मिलने के बाद जांच में बड़ी सफलता उस समय मिली, जब महिला के हाथ पर बने टैटू से उसकी पहचान लक्ष्मी के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने जांच को आगे बढ़ाते हुए उसके पति प्रदीप मिश्रा तक पहुंच बनाई। पूछताछ में प्रदीप ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

पुलिस पूछताछ में प्रदीप ने बताया कि उसकी पत्नी लक्ष्मी के एक युवक से अवैध संबंध थे। दोनों के बीच इसी बात को लेकर पिछले छह महीनों से लगातार झगड़े हो रहे थे। प्रदीप के मुताबिक, लक्ष्मी

लक्ष्मी मिश्रा, मृतक

उस युवक से शादी करना चाहती थी और तीन बार उसके साथ घर से भाग भी चुकी थी। प्रदीप का कहना है कि बच्चों की वजह से वह हर बार लक्ष्मी को वापस घर ले आता था और उसे अपनाने की कोशिश करता था।

आरोपी ने बताया कि 19 दिसंबर की रात इसी बात को लेकर दोनों के बीच फिर झगड़ा हुआ। लक्ष्मी ने उसे उम्र और शक्ल-सूरत को लेकर ताने दिए और कहा कि वह अपने बॉयफ्रेंड से शादी करना चाहती है। इससे गुस्से में आकर प्रदीप ने उसे अपनी बहन के घर घुमाने के बहाने बाहर ले जाने की योजना बनाई। वापसी के दौरान उसने रास्ते में लक्ष्मी का मफलर से गला घोंट दिया। इसके बाद पहचान छिपाने के लिए उसके चेहरे को पत्थर से बुरी तरह कुचल दिया और शव को करीब 25 किलोमीटर दूर ले जाकर फेंक दिया।

पुलिस के मुताबिक, प्रदीप मिश्रा कोई नया अपराधी नहीं है। उसके खिलाफ पहले से सात आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। वह एक हत्या के मामले में 10 साल की सजा काट चुका है और तीन बार उसकी संपत्ति भी कुर्क की जा चुकी है। आरोपी चोलापुर थाना क्षेत्र के महमूदपुर इलाके में अपने परिवार के साथ रहता था।

फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है और पुलिस सभी पहलुओं की गहन जांच कर रही है।

प्रदेश में 5 कुत्तों को हुई उम्रकैद; नसबंदी भी कराई जाएगी, कोर्ट ने दिया आदेश

लखनऊ (एजेंसी)। प्रदेश में लगातार कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है। आतंक बढ़ाने वाले कुत्तों में सिर्फ स्ट्रीट डॉग्स ही नहीं, बल्कि पालतू कुत्ते भी शामिल हैं। जो लगातार लोगों को अपना शिकार बना रहे है। कानपुर में भी लगातार कुत्तों ने आतंक मचा रखा था, जिसके बाद 5 कुत्तों को पकड़कर कैद में रखा गया है। ये कुत्तों बार-बार लोगों को काटते थे और जानलेवा साबित हो रहे थे।

बता दें कि कानपुर में लगातार बढ़ रहे कुत्तों के काटने के मामलों को देखते हुए नगर निगम ने बड़ा कदम उठाया है। शहर में लोगों के लिए खतरा बन चुके 5 कुत्तों को पकड़कर एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) सेंटर में रखा गया है। इनमें सिर्फ आवारा कुत्ते ही नहीं, बल्कि कुछ पालतू कुत्ते भी शामिल हैं। नगर निगम को कंट्रोल रूम के जरिए शिकायत मिली थी कि कुछ कुत्ते बार-बार लोगों पर हमला कर रहे हैं। इसके बाद कैटल कैचिंग टीम ने कार्रवाई करते हुए इन 5 कुत्तों को पकड़ा।

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी की निगरानी में यह अभियान चलाया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार आवारा कुत्तों की संख्या को नियंत्रित करने के लिए जिले भर में कुत्तों को पकड़ा जा रहा है और उनकी नसबंदी कराई जा रही है। पकड़े गए कुत्तों को एबीसी सेंटर में रखा गया है, जहां उनकी नसबंदी के साथ इलाज और निगरानी की जाएगी। उन्हें पोषक भोजन और जरूरी मेडिकल सुविधाएं दी जा रही हैं। अगर कोई कुत्ता किसी व्यक्ति को काटता है, तो उसे पकड़कर 10 दिनों तक एबीसी सेंटर में निगरानी में रखा जाएगा। एक बार काटने के बाद निगरानी पूरी होने पर उसे छोड़ा जा सकता है, लेकिन जो कुत्ते बार-बार लोगों पर हमला करते हैं, उन्हें वापस नहीं छोड़ा जाएगा।

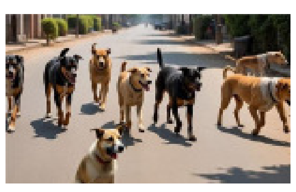

एबीसी सेंटर में रखे गए कुत्तों को एक महीने तक निगरानी में रखा जाएगा। अगर इस दौरान कोई व्यक्ति इन्हें गोद लेना चाहता है, तो उसे नगर निगम से संपर्क करना होगा। गोद लेने वाले व्यक्ति को लिखित हलफनामा देना होगा कि वह कुत्ते की पूरी जिम्मेदारी लेगा और कुत्ता दोबारा किसी पर हमला नहीं करेगा। कुत्ते के शरीर में माइक्रोचिप भी लगाई जाएगी, ताकि प्रशासन उसकी निगरानी कर सके। अगर कोई कुत्ते को गोद नहीं लेता है, तो वह स्थायी रूप से एबीसी सेंटर में ही रहेगा।

ऑन ड्यूटी आराम फरमा रहे दारोगा जी; चौकी परिसर में चारपाई पर सोते हुए वीडियो वायरल

लखनऊ (एजेंसी)। प्रदेश में एक बार फिर पुलिस की किरकिरी हो गई है। पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करने वाला एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक दारोगा ऑन ड्यूटी चारपाई पर आराम फरमाते हुए दिखाई दे रहा है। इस वीडियो को देखकर लोग तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे है।

जानकारी के मुताबिक, यह वायरल वीडियो अलीगढ़ जिले का है। यहां के लोधा थाना क्षेत्र की खेरेश्वर पुलिस चौकी में तैनात दारोगा शिव कुमार शर्मा खाकी वर्दी पहने चौकी परिसर में चारपाई पर सोते हुए दिख रहे है। उनके चेहरे पर रुमाल रखा हुआ है और जूते चारपाई के पास उतरे हुए नजर आ रहे हैं। दारोगा को सोते हुए देखकर किसी स्थानीय व्यक्ति ने वीडियो बनाया और फिर उसे सोशल मीडिया पर डाल दिया। ये वीडियो तेजी से वायरल होने लगा। जिसके बाद लोग इस पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया देने लगे। लोगों का कहना था कि जब पुलिस ही ड्यूटी के समय सोती रहेगी, तो अपराधी बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम देंगे। वहीं, अलीगढ़ के एसएसपी इस वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए संबंधित दारोगा के खिलाफ क्या विभागीय कार्रवाई करते हैं या नहीं।

सोशल मीडिया पर अश्लील सामग्री को लेकर सात साल कैद, एक करोड़ रुपये जुर्माने का प्रावधान : सुरेश खन्ना

लखनऊ (एजेंसी)। प्रदेश विधानसभा में मंगलवार को संसदीय कार्य व वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि सोशल मीडिया पर अश्लील सामग्री के प्रकाशन को लेकर सख्त कानून की व्यवस्था है और इसमें एक करोड़ रुपये तक के जुर्माने तथा सात वर्ष कैद की सजा का प्रावधान किया गया है। खन्ना ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन मंगलवार को प्रश्नकाल के दौरान समाजवादी पार्टी के सदस्य डॉक्टर हृदय नारायण सिंह पटेल द्वारा सोशल मीडिया के दुरुपयोग का प्रश्न उठाए जाने पर सदन को यह जानकारी दी।

पटेल ने प्रश्न किया कि क्या प्रदेश में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक एवं अभद्र फोटो, वीडियो अपलोड की रोकथाम की कोई योजना सरकार ने बनाई है और क्या सरकार ऐसे कार्य में लिप्त लोगों को चिह्नित कर दंडात्मक कार्यवाही के लिए कोई नीति बनाएगी? उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र में सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए दो मामलों का उदाहरण भी दिया, जिसमें एक ही तरह के मामलों में कार्रवाई में पुलिस ने भेदभाव किया। खन्ना ने मुख्यमंत्री की ओर से जवाब देते हुए कहा कि सरकार ने इस बात की पूरी व्यवस्था की है कि इस विषय पर जागरूकता कैसे हो और जहां कहीं भी इस प्रकार की शिकायत मिले और शिकायत जिस स्तर की मिले, उस स्तर की कार्रवाई भी हो।

मंत्री के बयान पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सरकार से कहा, ''यह महत्वपूर्ण विषय है, इससे सभी लोग प्रभावित हैं और गलत सूचनाओं का दुष्प्रभाव होता है।'' उन्होंने कहा कि कोई योजना बनाकर जब तक इस तरह के अपराधियों को सख्त सजा नहीं दी जाएगी, तब तक इसका संदेश नहीं जाएगा। इस पर संसदीय कार्य मंत्री ने कहा, ''समाज में सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी करना गलत है लेकिन सरकार ने इसकी रोकथाम की व्यवस्था भी की है। इसमें एक करोड़ रुपये तक के जुर्माने का भी प्रावधान है। सात साल तक की सजा है।'' मंत्री ने कहा, ''जब राष्ट्रीय सुरक्षा की कोई बात आती है तो विशेष सचिव (गृह) को इस बात के लिए अधिकृत किया गया है कि वह इसका संज्ञान लेकर इस संबंध में उचित कार्रवाई करें।''

बांग्लादेश में हिंदू महिलाओं के साथ अत्याचार को महबूबा मुफ्ती ने हिजाब से जोड़ते हुए दिया आपत्तिजनक बयान

जम्मू (एजेंसी)। बांग्लादेश में हिंदू महिलाओं के साथ हो रहे भयावह उत्पीड़न पर चिंता जताने के नाम पर पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने जिस तरह भारत के लोकतांत्रिक ताने-बाने और कानून-व्यवस्था को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की, वह न सिर्फ दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि आपत्तिजनक भी है। सबसे पहले सच्चाई स्पष्ट कर लेनी चाहिए। भारत में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा कोई खोखला नारा नहीं, बल्कि संवैधानिक दायित्व है। यहां कानून का शासन है, अदालतें स्वतंत्र हैं और राज्य तंत्र जवाबदेह है। किसी भी धर्म, जाति या समुदाय के खिलाफ अपराध होता है तो उसके लिए कानूनी प्रक्रिया मौजूद है, एफआईआर से लेकर न्यायालय तक। छिटपुट घटनाओं को लेकर पूरे देश को 'नैतिक दुविधा' में बताना, दरअसल भारत की संस्थाओं और लोकतंत्र पर सीधा हमला है।

इसके उलट, बांग्लादेश की ज़मीनी तस्वीर पर आंख मूंद लेना या उसे भारत के संदर्भ से जोड़कर हल्का करना सरासर बेईमानी है। वहां अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय लंबे समय से भय, हिंसा और सामाजिक बहिष्कार का सामना कर रहा है। मंदिरों पर हमले, घरों की तोड़फोड़ और महिलाओं के खिलाफ लक्षित हिंसा, ये सब कोई अफवाह नहीं, बल्कि बार-बार सामने आई कठोर सच्चाइयां हैं। वहां कट्टरपंथी तत्वों का दबदबा बढ़ा है और अंतरिम सरकार की इच्छाशक्ति बार-बार सवालों के घेरे में आई है। इस पृष्ठभूमि में भारत से वहां की तुलना करना न सिर्फ अनुचित है, बल्कि पीड़ितों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है।

महबूबा मुफ्ती का यह कहना कि भारत का नेतृत्व 'नैतिक दुविधा' में है, दरअसल एक राजनीतिक एजेंडे की बू देता है। हम आपको बता दें कि बांग्लादेश में हिंदू महिलाओं के सिंदूर लगाने तक से डरने की खबरें आ रहीं हैं, ऐसे में अपेक्षा थी कि मुख्यमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर रह चुकीं महबूबा मुफ्ती कड़े शब्दों में इस बर्बरता की निंदा करेंगी और पीड़ितों के साथ खड़ी होंगी। लेकिन उन्होंने चर्चा को भटकाते हुए भारत के भीतर हिजाब से जुड़ी बहस से जोड़ दिया। यह तुलना न सिर्फ असंगत है, बल्कि एक तरह से बांग्लादेश में हिंदू महिलाओं के साथ हो रहे दुर्व्यवहार को तर्कों की आड़ में जायज़ ठहराने जैसा प्रतीत होती है। महबूबा को याद रखना चाहिए कि भारत में हिजाब या किसी भी धार्मिक प्रतीक को लेकर बहसें न्यायालयों और संवैधानिक दायरे में होती हैं। यहां कानून तोड़ने वालों पर कार्रवाई होती है, चाहे वे किसी भी धर्म से हों। इसके विपरीत, बांग्लादेश में अल्पसंख्यक महिलाओं को उनकी पहचान के कारण डर में जीने पर मजबूर किया जा रहा है। दोनों स्थितियों को एक ही तराजू पर तौलना गलत है।

महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव : सीट शेयरिंग को लेकर फडणवीस-शिंदे की ताबड़तोड़ बैठक, एनसीपी अलग-थलग क्यों?

मुम्बई (एजेंसी)। अगले साल जनवरी में महाराष्ट्र नगर निगम (बीएमसी सहित) के चुनाव नजदीक आने के साथ ही, प्रमुख शहरी केंद्रों, विशेष रूप से पुणे, पिंपरी चिंचवड और मुंबई में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। प्रमुख दलों के बीच गुप्त वार्ताएं, गठबंधन वार्ताएं और सीट बंटवारे पर चर्चाएं चल रही हैं, जो अप्रत्याशित राजनीतिक समीकरणों में बदलाव की संभावना का संकेत दे रही हैं। चुनाव 15 जनवरी, 2026 को होंगे और मतगणना 17 जनवरी को शुरू होगी। पुणे इन घटनाक्रमों का केंद्र बिंदु बनकर उभरा है, जहां राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों ने नगर निगम चुनावों में एक साथ आने की इच्छा जताई है। अजीत पवार और शरद पवार गुटों के नेताओं के बीच बैठकें हो चुकी हैं, जिससे पुणे और पिंपरी चिंचवड नगर निगमों में संयुक्त चुनावी रणनीति की संभावना बढ़ गई है। जल्द ही आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है।

सूत्रों के अनुसार, एनसीपी के दोनों गुटों के बीच बातचीत

सकारात्मक रूप से आगे बढ़ी है और पुणे एवं पिंपरी चिंचवड नगर निगम चुनाव संयुक्त रूप से लड़ने की दिशा में गति बढ़ रही है। पार्टी विभाजन के बाद यह एक महत्वपूर्ण राजनीतिक बदलाव होगा और स्थानीय राजनीतिक परिदृश्य को नया रूप दे सकता है। पुणे में भाजपा विरोधी एक व्यापक मोर्चे पर भी समानांतर विचार-विमर्श चल रहा है, जिसमें महा विकास अघाड़ी, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना और अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी शामिल हैं। खबरों के मुताबिक, अजीत पवार ने शहर में कांग्रेस-एनसीपी गठबंधन की संभावना तलाशने के लिए कांग्रेस नेता सतेज पाटिल से बात की। हालांकि, फिलहाल ये बातचीत आगे नहीं बढ़ी है। शरद पवार गुट अभी भी इस बात पर विचार कर रहा है कि वह शिवसेना यूबीटी या कांग्रेस के साथ गठबंधन करे। सुप्रिया सुले और अन्य वरिष्ठ नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आज मुंबई में होने की उम्मीद है, जहां अंतिम निर्णय लिया जा सकता है।

इस बीच, भाजपा और शिवसेना के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक आज भाजपा कार्यालय में होने वाली है। चर्चा में समन्वय और रणनीति पर ध्यान केंद्रित होने की उम्मीद है, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं है कि अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी इस समझौते का हिस्सा होगी या नहीं। सत्ताधारी महायुति गठबंधन आगामी चुनावों के लिए सीट बंटवारे पर बैठक करने जा रहा है। यह बैठक दोपहर 2 बजे के बाद भाजपा के दादर स्थित कार्यालय में होगी और इसमें भाजपा और शिवसेना दोनों के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। भाजपा की ओर से मुंबई अध्यक्ष अमित सतम, चुनाव प्रभारी आशीष शेलार, विधायक अतुल भाटखालकर और विधायक प्रवीण दारेकर के उपस्थित रहने की उम्मीद है। शिवसेना की ओर से उदय सामंत, राहुल शेवाले और प्रकाश सर्वे सहित अन्य नेता उपस्थित रहेंगे।

सीपीआई (एम) को रास नहीं आया मोदी के साथ प्रियंका का चाय पार्टी में शामिल होना, जॉन ब्रिटास बोले- गलत संदेश गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) के सांसद जॉन ब्रिटास ने मंगलवार को संसद के शीतकालीन सत्र के समापन के बाद कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत भाजपा नेताओं के साथ चाय पार्टी में शामिल होने पर चिंता व्यक्त की। जॉन ब्रिटास ने कहा कि यह कदम जनता को गलत संदेश देता है कि भाजपा द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) को ध्वस्त करने के कुछ ही घंटों बाद प्रियंका गांधी प्रधानमंत्री मोदी के साथ चाय पी रही हैं।

सीपीआई (एम) सांसद ने कहा कि यह कदम भारत गठबंधन की एकता के लिए हानिकारक है और उन्होंने अपनी पार्टी को इस तरह के सौहार्द का समर्थन करने से अलग कर लिया। एएनआई से बात करते हुए ब्रिटास ने कहा, 'यह हम जैसे लोगों के लिए चिंता का विषय रहा है... प्रियंका गांधी और अन्य लोगों को प्रधानमंत्री के साथ चाय पार्टी में बैठे देखना हमारे लिए अच्छा नहीं था। हम उनसे बेहतर मार्गदर्शन की उम्मीद करते थे। मैं आपको यह भी बता सकता हूं कि अपेक्षाकृत छोटे मुद्दों पर भी हम ऐसी चाय पार्टियों से दूर रहे हैं। पिछले मानसून सत्र में हम दूर रहे क्योंकि सरकार एसआईआर पर चर्चा के लिए तैयार नहीं थी। इससे पहले, जब वक्फ विधेयक को जबरदस्ती पारित किया गया था, तब भी हम दूर रहे... उन सभी मुद्दों की तुलना में यह एक बहुत बड़ा मुद्दा था।'

उन्होंने आगे कहा कि प्रियंका गांधी का प्रधानमंत्री के साथ चाय पीना एक तमाशा था। महात्मा गांधी के शव को बुलडोजर से गिराए जाने के कुछ ही घंटों बाद ऐसा दृश्य देखना न केवल दुखद था, बल्कि इससे देश की जनता को गलत संदेश भी गया। मैं इस तरह की दोस्ती का समर्थन नहीं करता, जो विपक्ष की एकता और देश के गरीब लोगों के कल्याण के लिए हानिकारक है।

भजनलाल शर्मा ने भाजपा के नए कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन से की मुलाकात विकास की योजना पर हुई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आज दिल्ली में नितिन नबीन से मुलाकात की। नितिन नबीन को भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राजस्थान के वरिष्ठ नेता राज्य के भविष्य के लिए एक रोडमैप पर चर्चा करने के लिए आज नई दिल्ली पहुंचे। बैठक का समापन नबीन के मार्गदर्शन में राजस्थान को विकास का केंद्र बनाने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ, जिसमें यह सुनिश्चित किया गया कि जनता के लिए पार्टी का दृष्टिकोण सर्वोच्च प्राथमिकता बना रहे। भजनलाल शर्मा ने कहा कि आज नई दिल्ली में मेरी भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री नितिन नबीन जी से शिष्टाचार मुलाकात हुई। बैठक के दौरान हमने राजस्थान में संगठन को मजबूत करने, आगामी कार्य योजनाओं और जन कल्याण कार्यों में तेजी लाने पर विस्तृत चर्चा की। हम आपके मार्गदर्शन में राजस्थान को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसदों की पहली बैठक मंगलवार को होगी, जिसकी अध्यक्षता भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन करेंगे। यह बैठक मंगलवार को रात 9 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होगी। भाजपा सूत्रों के अनुसार, बैठक में संसद खेल महोत्सव के सफल आयोजन की रणनीति को अंतिम रूप देने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। 'बैठक का मुख्य उद्देश्य संसद खेल महोत्सव के सफल आयोजन को सुनिश्चित करने की रणनीति को अंतिम रूप देना होगा। कार्यक्रम से संबंधित समन्वय और तैयारियों पर विस्तृत चर्चा होगी।

विकास के नाम पर हो रहा विनाश

अरावली पहाड़ियों के विवाद के बीच आदित्य ठाकरे ने केंद्र सरकार पर बोला हमला

मुम्बई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने मंगलवार को अरावली पहाड़ियों के विवाद को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए उस पर भारत के पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री द्वारा अरावली पहाड़ियों को नष्ट करने के प्रस्तावित कदम का बचाव करना शर्मनाक है। एक पोस्ट में उन्होंने लिखा केंद्र सरकार के पर्यावरण मंत्री का अरावली पहाड़ियों के प्रस्तावित विनाश का बचाव करना शर्मनाक है! पहली बात तो, पर्दाफाश होने के बाद झूठ बोलने की क्या ज़रूरत थी? फिर, अगर अरावली पहाड़ियों का एक छोटा सा हिस्सा भी है, तो उसे खनन के लिए क्यों खोला जा रहा है? भाजपा भारत की पारिस्थितिकी को पूरी तरह नष्ट करने पर इतनी तुली क्यों है, ठीक वैसे ही जैसे वह हमारे सामाजिक ताने-बाने को नष्ट कर रही है?

पोस्ट में लिखा कि आज अरावली पहाड़ियों की बात हो रही है, कल वे पश्चिमी घाट या हिमालय को खनन के लिए खोल देंगे! अरावली पहाड़ियों की रक्षा के लिए राजस्थान के सभी लोग जिस तरह सड़कों पर उतरे हैं, उसे देखकर वाकई प्रेरणा मिलती है। सरकार को अब हमारे प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा के लिए और अधिक प्रयास करने चाहिए - लेकिन यह उम्मीद मौजूदा सरकार से नहीं है! एक दिन पहले, केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने आश्वासन दिया था कि एनसीआर क्षेत्र में खनन की अनुमति नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले कुछ वर्षों में हरित अरावली से संबंधित मुद्दों में काफी वृद्धि हुई है। आंकड़ों के अनुसार, यादव ने कहा कि 2014 में जब देश में केवल 24 रामसर स्थल थे, तब से अब यह संख्या बढ़कर 96 हो गई है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अरावली क्षेत्र के सुल्तानपुर, भिंडावास, असोला, सिलिसेरह और सांभर के रामसर स्थलों की घोषणा भाजपा सरकार के कार्यकाल में की गई थी।

भारत एफआईएच विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर फिसला, महिला टीम 10वें स्थान पर

लुसाने (स्विट्जरलैंड) **(एजेंसी)**। भारत 2025 की शुरुआत पांचवें स्थान पर करने के बाद साल के अंत तक जाते-जाते एफआईएच विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर फिसल गया है जबकि महिला टीम 10वें स्थान पर है। 2025 में इंटरनेशनल हॉकी ने टॉप लेवल के एक्शन का एक लगातार कैलेंडर पेश किया - एफआईएच हॉकी प्रो लीग की लड़ाइयों से लेकर नेशंस कप और नेशंस कप 2 के रोमांच के साथ-साथ सभी महाद्वीपों में कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप तक - जिससे एफआईएच वर्ल्ड् रैंकिंग में बड़े बदलाव हुए।

पुरुषों और महिलाओं दोनों के खेल में, जानी-मानी टीमों ने अपनी स्थिति मजबूत की, जबकि उभरती हुई टीमों ने महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की। महिलाओं की रैंकिंग में, नीदरलैंड्स (3809) जिसने साल की शुरुआत टॉप स्थान पर की थी, उसने पूरे साल अपनी पकड़ बनाए रखी, एक और शानदार सीजन के साथ जिसमें उन्होंने प्रो लीग और यूरोहॉकी चैंपियनशिप में चैंपियनशिप जीतकर अपनी कैबिनेट में और ट्रॉफियां जोड़ीं, जबकि अर्जेंटीना (3326), बेल्जियम (3109) और चीन (2977) ने

शानदार कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप और प्रो लीग अभियानों के साथ क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर बने रहे, जहां से उन्होंने साल की शुरुआत की थी।

स्पेन (2777) टॉप-10 रैंकिंग में साल के सबसे बड़े फायदे में रहने वालों में से है, क्योंकि वे पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि साल की शुरुआत आठवें स्थान पर की थी! स्पेन की यह बढ़त ऑस्ट्रेलिया (2758), जर्मनी (2734) और इंग्लैंड (2510) की कीमत पर हुई है, जो सभी एक-एक स्थान नीचे गिर गए हैं, और साल का अंत छठे, सातवें और आठवें स्थान पर किया है।

न्यूजीलैंड (2319) जिसने 2025 में महिलाओं का एफआईएच हॉकी नेशंस कप और ओसनिया कप जीता था, वह भारत (2315) से ऊपर नौवें स्थान पर पहुंच गया है, जिसे 2025 में प्रो लीग से बाहर होना पड़ा था।

जापान (2186) और संयुक्त राज्य अमेरिका (2172) दो स्थान ऊपर चढ़कर ग्यारहवें और बारहवें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि आयरलैंड (2030) और चिली (1999) तेरहवें और पंद्रहवें स्थान पर आ गए हैं, स्कॉटलैंड (2015) चौदहवें स्थान पर है। कोरिया (1864) सोलहवें स्थान पर बना हुआ है, उसके बाद फ्रांस (1742) है जिसकी एफआईएच हॉकी नेशंस कप 2 में जीत ने उसे तीन स्थान ऊपर चढ़ने में मदद की। इटली (1737), उरुग्वे (1736) और दक्षिण अफ्रीका (1670) टॉप-20 में शामिल हैं, जबकि कनाडा (1668) और मलेशिया (1667) बस थोड़ा ही पीछे हैं!

सुनील गावस्कर को मिली पर्सनैलिटी राइट्स की कानूनी सुरक्षा, बने पहले स्पोर्ट्सपर्सन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने इतिहास रचते हुए पर्सनैलिटी और पब्लिसिटी राइट्स की न्यायिक सुरक्षा पाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया है। दिल्ली हाई कोर्ट के इस अहम फैसले ने न केवल खेल जगत बल्कि डिजिटल कानून और सेलिब्रिटी अधिकारों के क्षेत्र में भी एक नई मिसाल कायम की है। यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में मशहूर हस्तियों की पहचान का दुरुपयोग तेजी से बढ़ रहा है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने सुनील गावस्कर के नाम, तस्वीर और पहचान के कथित गलत इस्तेमाल को लेकर सख्त रुख अपनाया। कोर्ट ने आदेश दिया कि सोशल मीडिया और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर मौजूद सभी उल्लंघनकारी पोस्ट, वीडियो और संबंधित कंटेंट को 72 घंटे के भीतर हटाया जाए। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि यदि संबंधित अकाउंट या यूजर ऐसा करने में विफल

रहते हैं, तो प्लेटफॉर्म की जिम्मेदारी होगी कि वे स्वयं ऐसे कंटेंट को हटाएं।

यह आदेश इसलिए ऐतिहासिक माना जा रहा है क्योंकि भारत में पहली बार किसी खिलाड़ी को उसके व्यक्तित्व और पब्लिसिटी अधिकारों के लिए स्पष्ट न्यायिक संरक्षण दिया गया है। खासतौर पर उन मामलों में, जहां बिना अनुमति किसी मशहूर खिलाड़ी के नाम और छवि का डिजिटल और व्यावसायिक इस्तेमाल किया जा रहा हो। यह फैसला भविष्य में खिलाड़ियों और खेल हस्तियों के लिए एक मजबूत कानूनी आधार प्रदान करेगा।

सुनील गावस्कर ने कोर्ट में दलील दी थी कि उनके नाम और तस्वीर का इस्तेमाल कर बिना अनुमति उत्पाद बेचे जा रहे हैं और भ्रामक सोशल मीडिया पोस्ट फैलाए जा रहे हैं। उनका कहना था कि इससे एक वरिष्ठ क्रिकेट कमेंटेटर और ब्रॉडकास्टर के रूप में उनकी साख को नुकसान पहुंच सकता है। कोर्ट ने इस तर्क से सहमति जताते हुए कहा कि हास्य और व्यंग्य की आज़ादी अपनी जगह है, लेकिन ऐसा कंटेंट जो पहली नज़र में किसी व्यक्ति के अधिकारों का उल्लंघन करे, उसे अनुमति नहीं दी जा सकती।

गावस्कर की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल जैन ने पक्ष रखा, जिन्हें क्रीडा लीगल की टीम ने ब्रीफ किया था। कोर्ट ने अश्लील और भ्रामक डिजिटल कंटेंट से जुड़ी चिंताओं को भी गंभीरता से लिया और साफ किया कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर जिम्मेदारी तय करना बेहद ज़रूरी है।

भारत ने सेब, कीवी फल, शहद पर न्यूजीलैंड को शुल्क रियायतें कृषि योजनाओं से जोड़ी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत न्यूजीलैंड को सेब, कीवी फल और मनुका शहद पर दी जाने वाली कोटा-आधारित शुल्क रियायतों को कृषि उत्पादकता वाली कार्ययोजनाओं के क्रियान्वयन से जोड़ दिया है जिनकी निगरानी 'संयुक्त कृषि उत्पादकता परिषद' (जेएपीसी) करेगी। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा है कि यह व्यवस्था बाजार पहुंच और घरेलू कृषि के संवेदनशील क्षेत्रों के संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से की गई है।

इस समझौते के तहत न्यूजीलैंड ने भारत में सेब, कीवी और शहद क्षेत्रों की उत्पादकता, गुणवत्ता और क्षमताओं में सुधार के लिए लक्षित कार्ययोजनाओं पर सहमति जताई है। इस सहयोग के दायरे में उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना, बेहतर रोपण सामग्री की उपलब्धता, किसानों की क्षमता वृद्धि, बागवानी प्रबंधन में तकनीकी सहायता, कटाई के बाद की प्रक्रियाएं, आपूर्ति श्रृंखला और खाद्य सुरक्षा से जुड़े उपाय शामिल हैं। बहुत अच्छी गुणवत्ता वाले सेब के उत्पादकों के लिए विशेष परियोजनाओं और टिकाऊ मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने से देश में उत्पादन और गुणवत्ता मानकों में सुधार की उम्मीद जताई गई है।

मंत्रालय ने कहा, 'सेब, कीवी फल और मनुका शहद से जुड़े सभी शुल्क दर कोटा कृषि उत्पादकता कार्ययोजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़े होंगे और जेएपीसी इनकी निगरानी करेगी।' न्यूजीलैंड ने दावा किया है कि वह इस समझौते के तहत अपने सेब पर शुल्क रियायत पाने वाला 'पहला' देश बन गया है। फिलहाल भारत सेब के आयात पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाता है। लेकिन इस एफटीए के तहत न्यूजीलैंड से आयातित सेब को एक तय कोटा और न्यूनतम आयात मूल्य के अधीन शुल्क रियायत दी जा रही है।

आंकड़ों के मुताबिक, न्यूजीलैंड से भारत में सेब का वार्षिक आयात 31, 392.6 टन है, जिसका मूल्य 3.24 करोड़ अमेरिकी डॉलर है। यह भारत के कुल सेब आयात 5, 19, 651.8 टन (42.46 करोड़ डॉलर) का एक छोटा हिस्सा है। एफटीए के पहले वर्ष में न्यूजीलैंड को 32, 500 टन सेब पर शुल्क रियायत मिलेगी। यह कोटा छठे साल तक बढ़ाकर 45, 000 टन हो जाएगा जिस पर 25 प्रतिशत शुल्क और 1.25 डॉलर प्रति किलोग्राम का न्यूनतम आयात मूल्य लागू होगा। तय कोटे से अधिक आयात पर 50 प्रतिशत की दर से ही शुल्क लगेगा।

मर्सिडीज-बेंज इंडिया की 2026 में हर तिमाही में कीमतों में वृद्धि करने की योजना

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संतोष अय्यर ने मंगलवार को कहा कि कंपनी यूरो के मुकाबले रुपये में लगातार गिरावट के प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए अगले कैलेंडर वर्ष में हर तिमाही में अपने उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी करने पर विचार कर रही है। कंपनी पहले ही एक जनवरी 2026 से अपने वाहनों की कीमतों में दो प्रतिशत तक की वृद्धि करने की योजना की घोषणा कर चुकी है। मूल्य समायोजन मौजूदा विदेशी मुद्रा चुनौतियों को दर्शाता है क्योंकि यूरो-रुपये की विनिमय दर 2025 में लगातार 100 रुपये के निशान से ऊपर बनी हुई है जो ऐतिहासिक औसत से काफी अधिक है। अय्यर ने यहां 'फिक्की मर्सिडीज-बेंज भारत इनोवेशन बिजनेस आइडिया चैलेंज प्रोग्राम' की शुरुआत के मौके पर 'पीटीआई-भाषा' के साथ बातचीत में कहा, " हम अगले साल हर तिमाही में कीमतों में बढ़ोतरी करने पर विचार कर रहे हैं और इसका कारण यूरो के मुकाबले रुपये में गिरावट है।" उन्होंने बताया कि करीब 18 महीने पहले विनिमय मूल्य 89 रुपये प्रति यूरो था और अब यह लगभग 104-105 रुपये है।

अय्यर ने कहा, " यह 15-18 प्रतिशत से अधिक की गिरावट है।" कंपनी ने हालांकि जनवरी से कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा पहले ही कर दी है, लेकिन अय्यर ने कहा कि " भारी मूल्यह्रास की भरपाई के लिए " बाद में और भी बढ़ोतरी की जाएगी। अय्यर ने कहा कि रुपये में गिरावट और मूल्य वृद्धि के प्रभाव में 10-15 प्रतिशत से अधिक का अंतर है। उन्होंने कहा, " इसलिए हम मूल्य वृद्धि को धीरे-धीरे लागू कर रहे हैं, अन्यथा मांग भी प्रभावित हो सकती है।" अय्यर ने कहा कि हालांकि कंपनी ने 2026 की प्रत्येक तिमाही में अपेक्षित मूल्य वृद्धि की मात्रा को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया है लेकिन यह प्रत्येक तिमाही में करीब दो प्रतिशत हो सकती है।

आंकड़ों के अनुमान को खराब मानने की मानसिकता को बदलने की जरूरत-सीईए

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने मंगलवार को कहा कि आंकड़ों का अनुमान लगाने के सभी तौर-तरीकों की कुछ सीमाएं होती हैं लेकिन भारत की जीडीपी का अनुमान लगाने की पद्धति को खराब मानने की मानसिकता को बदलने की जरूरत है। आर्थिक वृद्धि के आंकड़ों को लेकर कुछ तबकों में जताई गई चिंताओं के बीच नागेश्वरन ने कहा कि चिंताएं तभी उठाई जाती हैं जब सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े उम्मीद से कहीं अधिक होते हैं, जबकि आंकड़ों के निराशाजनक होने पर तौर-तरीकों पर कोई सवाल नहीं उठाया जाता।

मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा, "ऐसा नहीं है कि भारत के जीडीपी के आंकड़े वास्तविक स्थिति को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहे हैं, लेकिन दुर्भाग्य से, ये सभी... अधूरी जानकारी वाले या अपूर्ण प्रश्न जानबूझकर लोगों के मन में संदेह पैदा करने के लिए अनुत्तरित छोड़ दिए जाते हैं। इससे कोई खास लाभ नहीं होता क्योंकि ये प्रश्न सावधानीपूर्वक और सटीकता के साथ नहीं उठाए जाते हैं।" उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा आयोजित सीपीआई, जीडीपी और आईआईपी के आधार संशोधन पर परामर्श कार्यशाला में विभिन्न हितधारकों को संबोधित करते हुए यह बात कही।

नागेश्वरन ने कहा, "सामान्य तौर पर, हम अनुमान लगाने की प्रक्रिया में लगे हुए हैं और अनुमान लगाने के सभी तौर-तरीकों की अपनी सीमाएं होती हैं लेकिन ऐसा लगता है कि हम अपनी पद्धतियों पर सवाल उठाने के बहुत शौकीन हैं और दूसरों की पद्धतियों पर कम। कहीं न कहीं इसके पीछे यह सोच है कि हमारे तौर-तरीके दूसरों से खराब हैं। यह हमारी मानसिकता को भी दर्शाता है और इसे हमें बदलने की आवश्यकता है।" सीईए ने सरकार के आंकड़ों के अनुमानों की आलोचना करने वालों को जवाब देते हुए कहा कि आंकड़ों का मूल्यांकन करने, उन्हें सार्वजनिक करने या उनकी आलोचना लिखने के तरीके में सभी को अधिक परिपक्व होने की आवश्यकता है।

तेल के खेल में चीन बना नया 'किंग' कीमतों को खुद कर रहा कंट्रोल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। तेल की दुनिया में आमतौर पर माना जाता रहा है कि ओपेकजैसे बड़े तेल उत्पादक ही कीमतें तय करते हैं। वे उत्पादन घटाकर या बढ़ाकर बाजार में संतुलन बनाते हैं लेकिन साल 2025 में इस पुरानी सोच को चुनौती मिली। दुनिया का सबसे बड़ा तेल आयातक चीन अपनी खरीद और भंडारण रणनीति से तेल की कीमतों के लिए 'फ्लोर' और 'सीलिंग' तय करने लगा।

ओपेकने अप्रैल 2025 में उत्पादन बढ़ाया लेकिन बढ़ी हुई कीमतें गिरने लगीं। इस अतिरिक्त तेल को खपाने और बाजार को स्थिर रखने की जिम्मेदारी चीन के पास आ गई। चीन अपनी स्ट्रैटेजिक और व्यावसायिक तेल भंडारण की जानकारी सार्वजनिक नहीं करता, जिससे यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि असल में कितना तेल बाजार में आ रहा है या जा रहा है।

साल 2025 के पहले 11 महीनों में चीन ने रोजाना लगभग 9.8 लाख बैरल अतिरिक्त तेल भंडारित किया। कुल आयात और घरेलू उत्पादन 15.80 मिलियन बैरल प्रति दिन था, जबकि रिफाइनरियों ने 14.82 मिलियन बैरल का इस्तेमाल किया। चीन का यह रणनीतिक खेल इस बात पर निर्भर करता है कि कीमतें गिरती हैं या बढ़ती हैं। जब कीमतें गिरती हैं, चीन ज्यादा खरीदता है और जब बढ़ती हैं, आयात कम कर देता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि अगर चीन इसी रणनीति के साथ भंडारण बढ़ाता रहा, तो साल 2026 में सप्लाई की अतिरिक्त मात्रा का बड़ा हिस्सा उसके टैंकों में जाएगा। इसका असर यह होगा कि तेल की कीमतों का न्यूनतम और अधिकतम स्तर चीन तय करेगा। कीमतें गिरने पर चीन खरीदेगा, कीमतें ज्यादा बढ़ीं तो आयात कम करेगा। इस तरह चीन तेल बाजार में ओपेक के बराबर या उससे भी ज्यादा ताकत दिखा सकता है।

राशिद खान की बुलेटप्रूफ जिंदगी : अपने ही देश में बिना सुरक्षा नहीं घूम सकते स्टार क्रिकेटर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दुनिया के ज़्यादातर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों के लिए शोहरत का मतलब होता है तालियां, लोकप्रियता और लग्ज़री लाइफ। लेकिन अफगानिस्तान के स्टार क्रिकेटर राशिद खान के लिए यही शोहरत सुरक्षा खतरे भी साथ लेकर आती है। पूर्व इंग्लिश कप्तान केविन पीटरसन के साथ बातचीत में राशिद ने अपनी ज़िंदगी की उस सच्चाई को उजागर किया, जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह गया।

बातचीत के दौरान जब पीटरसन ने राशिद से पूछा कि क्या वह काबुल की सड़कों पर सामान्य लोगों की तरह घूम सकते हैं, तो जवाब सीधा और चौंकाने वाला था–नहीं। राशिद ने बताया कि उन्हें अपनी सुरक्षा के लिए बुलेटप्रूफ कार का इस्तेमाल करना पड़ता है। यह किसी शौक या रुतबे की बात नहीं, बल्कि जरूरत है। राशिद ने बेहद सामान्य लहजे में यह बात कही, जिससे साफ झलकता है कि अफगानिस्तान में सुरक्षा चिंताएं उनकी रोज़मर्रा की ज़िंदगी का हिस्सा बन चुकी हैं।

राशिद खान सिर्फ एक क्रिकेटर नहीं, बल्कि अफगानिस्तान का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय चेहरा हैं। आईपीएल, बीबीएल और अन्य टी20 लीगों में उनकी कामयाबी ने उन्हें वैश्विक पहचान, आर्थिक सफलता और प्रभाव दिलाया है। लेकिन यही पहचान उन्हें खतरे में भी डालती है। अस्थिर हालात वाले देश में मशहूर चेहरा और कथित संपन्नता किसी

को भी आसान निशाना बना सकती है। राशिद जानते हैं कि जरा सी चूक गंभीर परिणाम ला सकती है।

जहां दूसरे देशों के खिलाड़ी बिना सुरक्षा के घूम सकते हैं, वहीं राशिद अपने ही वतन में यह आज़ादी नहीं पा सकते। न बेफिक्र सैर, न अचानक बाहर निकलने की सुविधा। बुलेटप्रूफ कार उनके लिए स्टेटस सिंबल नहीं, बल्कि सुरक्षा कवच है। खास बात यह है कि राशिद की बातों में न शिकायत है, न गुस्सा–बस सच्चाई की स्वीकारोक्ति। यही मानसिक मजबूती उन्हें मैदान के बाहर भी खास बनाती है।

राशिद की सुरक्षा चिंताओं की एक वजह उनका सामाजिक रुख भी है। उन्होंने अफगानिस्तान में महिलाओं की शिक्षा और अधिकारों पर खुलकर आवाज़ उठाई है। अपने अंतरराष्ट्रीय मंच का इस्तेमाल कर वह सिर्फ खिलाड़ी नहीं, बल्कि अंतरात्मा की आवाज़ बन चुके हैं। हालांकि, ऐसे मुद्दों पर बोलना एक अस्थिर माहौल में जोखिम भी बढ़ाता है, जिससे उनकी सुरक्षा और ज्यादा अहम हो जाती है। राशिद की कहानी और गहरी तब हो जाती है जब उनके बचपन की यादों पर नज़र डालें। एक समय ऐसा भी था जब बाहर निकलकर क्रिकेट खेलना तक सुरक्षित नहीं था। अफगानिस्तान के लिए खेलना किसी सपने से कम नहीं लगता था। आज वही सपना न सिर्फ राशिद की पहचान बना, बल्कि पूरे देश के लिए उम्मीद और गर्व का कारण भी।

करेंसी मार्केट में आरबीआई की सख्ती, रुपए को थामने के लिए बेच डाले 11900000000 डॉलर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अक्टूबर 2025 में रुपए को सहारा देने के लिए करेंसी बाजार में आक्रामक हस्तक्षेप किया। आरबीआई ने इस महीने शुद्ध रूप से 11.9 अरब डॉलर की बिक्री की, जिससे यह साफ हो गया कि रुपए में स्थिरता बनाए रखने में केंद्रीय बैंक सबसे अहम भूमिका निभा रहा है।

आरबीआई के दिसंबर बुलेटिन के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 के दौरान केंद्रीय बैंक ने स्पॉट और फॉरवर्ड–दोनों बाजारों में सक्रिय रहकर रुपए में तेज उतार-चढ़ाव को रोकने की कोशिश की।

ओवर-द-काउंटर यानी स्पॉट मार्केट में अक्टूबर के दौरान आरबीआई ने डॉलर की खरीद से ज्यादा बिक्री की। डॉलर की कुल खरीद सितंबर के 2.2 अरब डॉलर से उछलकर 17.7 अरब डॉलर पर पहुंच गई, जबकि बिक्री 192इ बढ़कर 29.6 अरब डॉलर हो गई। इसके चलते अक्टूबर में शुद्ध डॉलर बिक्री 11.9 अरब डॉलर रही, जो सितंबर के 7.9 अरब डॉलर से करीब 50इ अधिक है।

स्पॉट मार्केट के साथ-साथ आरबीआई ने भविष्य की उम्मीदों को नियंत्रित करने के लिए फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट्स का भी इस्तेमाल किया। इससे तत्काल विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव नहीं पड़ा। अक्टूबर के अंत तक शुद्ध फॉरवर्ड बिक्री सितंबर के 59.4 अरब डॉलर से बढ़कर 63.6 अरब डॉलर हो गई। यह बड़ी फॉरवर्ड पोजीशन बाजार के लिए एक सुरक्षा कवच की तरह काम करती है और जरूरत पड़ने पर डॉलर उपलब्ध कराने का भरोसा देती है।

एक्सचेंज-ट्रेडेड करेंसी फ्यूचर्स बाजार में आरबीआई ने अपनी शुद्ध पोजीशन न्यूट्रल रखी। अक्टूबर में केंद्रीय बैंक ने 2.3 अरब डॉलर खरीदे और उतने ही बेचे। हालांकि, ट्रेडिंग वॉल्यूम में तेज उछाल देखने को मिला और यह सितंबर की तुलना में 73.5इ बढ़ गया।

शिल्पा शेट्टी ने रणवीर सिंह की 'धुरंधर' की जमकर तारीफ, सोशल मीडिया पर लिखा खास नोट!

रणवीर सिंह और अक्षय खन्ना की धुरंधर बॉक्स ऑफिस पर चौथे हफ़्ते में भी ज़बरदस्त कमाई कर रही है। तीसरे हफ़्ते में इसे जेम्स कैमरन की अवतारः फायर एंड ऐश से टक्कर मिली, फिर भी इसने भारत और विदेशों दोनों जगह अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी कुंद्रा ने आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर' के कलाकारों की जमकर सराहना करते हुए इसे "देशभक्ति" की भावना से लैस सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक बताया है। 'धुरंधर' पांच दिसंबर को रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रणवीर सिंह, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन, आर. माधवन और राकेश बेदी अहम भूमिकाओं में हैं।

फिल्म की कहानी कंधार विमान अपहरण, 2001 संसद हमला और 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों जैसी भू-राजनीतिक तथा आतंकवादी घटनाओं की पृष्ठभूमि में खुफिया एजेंसियों के गुप्त अभियानों पर आधारित है। शिल्पा शेट्टी कुंद्रा ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर सोमवार को एक वीडियो साझा किया जिसमें वह फिल्म के गीत 'एफए9एलए' के चर्चित 'स्टेप' (नृत्य) को करती नजर आ रही हैं। फिल्म में अक्षय खन्ना पर फिलमाया गया यह 'स्टेप' काफी चर्चा में है।

उन्होंने वीडियो साझा करते हुए लिखा कि रणवीर सिंह आपका समय आ गया हैष्ठ अभिनय सधा हुआ, बारीकियों से भरपूर था.. किरदार को पूरी तरह से निभाया। अक्षय खन्ना, जबरदस्त... मैडी (माधवन) आपसे बेहतर यह किरदार कोई नहीं निभा सकता था। अर्जुन रामपाल अप्रत्याशित रूप से शानदार ...संजय दत्त, हमेशा की तरह रॉकस्टार। शिल्पा शेट्टी कुंद्रा ने फिल्म के अन्य कलाकारों गौरव गेरा, मानव गोहिल और राकेश बेदी के चयन के लिए 'कास्टिंग डायरेक्टर' मुकेश छाबड़ा की तारीफ की।

उन्होंने साथ ही लिखा, "...आदित्य धार आपने हाल ही में देशभक्ति की भावना से लैस सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक बनाई है। धुरंधर की पूरी टीम को सलाम।" फिल्म अभी तक वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर 800 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर चुकी है। आदित्य धर और उनके भाई लोकेश धर ने जियो स्टूडियोज की ज्योति देशपांडे के साथ मिलकर अपनी निर्माण कंपनी 'बी62 स्टूडियोज' के बैनर तले 'धुरंधर' का निर्माण किया है। इसके अलावा धुरंधर ने हाल ही में कांतारा चैप्टर 1 (845.44 करोड़) को पीछे छोड़ दिया और दुनिया भर में 2025 की 1 भारतीय फिल्म बन गई। 18 दिनों में, रणवीर सिंह की फिल्म ने 900.10 करोड़ ग्रॉस कमाए हैं। इसमें घरेलू मार्केट में कमाए गए 706.70 करोड़ ग्रॉस शामिल हैं।

पिछले 24 घंटों में, इस स्पाई एक्शन थ्रिलर ने स्त्री 2 और बाहुबली 2 (हिंदी) के ग्लोबल लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है। अब यह दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर अब तक की 8वीं सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन गई है। अगला टारगेट सीक्रेट सुपरस्टार को हराना है, जिसे यह आर्टिकल पढ़ते-पढ़ते पार कर लिया गया है।

वामपंथी उग्रवाद को जड़ से खत्म करने की तैयारी, सीआरपीएफ ने 2019 से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्थापित किए 229 अग्रिम अड्डे

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। नक्सलवाद पर प्रभुत्व स्थापित करने की अपनी रणनीति के तहत, केंद्र सरकार ने मार्च 2026 तक इस खतरे को खत्म करने की समय सीमा तय की है। इसी के अनुरूप, वामपंथी उग्रवाद का मुकाबला करने के लिए जिम्मेदार प्रमुख बलों में से एक केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने 2019 से अब तक छह प्रमुख नक्सल प्रभावित राज्यों में कुल 229 अग्रिम परिचालन अड्डे (एफओबी) स्थापित किए हैं। ये एफओबी नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) का मुकाबला करने के लिए सरकार की सुरक्षा रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। इन अड्डों को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, जिनमें सीआरपीएफ और उसकी विशेष इकाइयां शामिल हैं, द्वारा दूरस्थ, वन क्षेत्रों और उग्रवाद-प्रवण क्षेत्रों में स्थापित किया गया है, जिन्हें पहले नक्सली समूहों का गढ़ माना जाता था। कुल 229 फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस (एफओबी) में से, इस वर्ष अब तक सबसे अधिक 59 स्थापित किए गए हैं, इसके बाद 2024 में 40, 2023 में 27, 2022 में 48, 2021 में 29, 2020 में 18 और 2019 में आठ स्थापित किए गए हैं। छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, झारखंड और तेलंगाना में ये एफओबी स्थापित किए गए हैं। इस वर्ष स्थापित 59 एफओबी में से छत्तीसगढ़ में सबसे अधिक 32 बेस हैं, इसके बाद झारखंड और मध्य प्रदेश में नौ-नौ, महाराष्ट्र और ओडिशा में चार-चार और तेलंगाना में एक बेस है।

माघ मेला 2026

आवश्यक सूचना

रेल प्रशासन द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रयागराज में आयोजित होने वाले माघ मेला-2026 के दृष्टिगत प्रयागराज जंक्शन, सूबेदारगंज, नैनी जंक्शन एवं प्रयागराज छिवकी स्टेशनों से प्रारम्भ/समाप्त होने वाली अथवा इन स्टेशनों से होकर गुजरने वाली निम्नलिखित मेला विशेष रेलगाड़ियाँ प्रत्येक स्नान पर्व की तिथि से एक दिन पूर्व से लेकर स्नान पर्व के दो दिन बाद तक प्रभावी रहेगी, ताकि स्नान पर्वों के दौरान रेलगाड़ियों का संचालन सुचारु रूप से सुनिश्चित किया जा सके। **संबंधित रेलगाड़ियों एवं सभी स्नान पर्वों का विवरण निम्नवत् हैः-**

गाड़ी संख्या	स्टेशन से - तक	गाड़ी संख्या	स्टेशन से - तक
63237/63238	पं.दीनदयाल उपाध्याय-सूबेदारगंज	11273/11274	इटारसी-प्रयागराज छिवकी
64595/64596	पं.दीनदयाल उपाध्याय-सूबेदारगंज	64603/64604	कानपुर सेंट्रल-इटावा
64591/64592	सूबेदारगंज-कानपुर सेंट्रल	64629/64630	कानपुर सेंट्रल-फफूंद
11801/11802	वी. लक्ष्मीबाई झाँसी-प्रयागराज	64593/64594	कानपुर सेंट्रल-फतेहपुर

स्नान पर्व के दिन	दिनांक	दिन	दिनांक (स्नान पर्व के एक दिन पूर्व एवं स्नान पर्व के दो दिन बाद तक)
पौष पूर्णिमा	03.01.2026	शनिवार	02.01.2026 से 05.01.2026 (04 दिन)
मकर संक्रांति	14/15.01.2026	बुधवार	13.01.2026 से 20.01.2026 (08 दिन)
मौनी अमावस्या	18.01.2026	रविवार	
बसंत पंचमी	23.01.2026	शुक्रवार	22.01.2026 से 25.01.2026 (04 दिन)
माघी पूर्णिमा	01.02.2026	रविवार	31.01.2026 से 03.02.2026 (04 दिन)
महाशिवरात्रि	15.02.2026	रविवार	14.02.2026 से 17.02.2026 (04 दिन)

नोटः- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

माघ मेला 2026 रेलवे टोल फ्री नं0 1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 2437/25 (D)